- खगड़िया संस्करण
- वर्ष: 5
- अंक: 159
- मूल्य ₹ 2.00
- पृष्ठ 06
- Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

दैनिक बिहार पत्रिका DAINIK BIHAR PATRIKA

पटना। गुरूवार, 24 अक्टूबर 2024 web_dainikbiharpatrika.com Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

बिहार में पुलिसकर्मियों की छुट्टी 9 नवंबर तक कैंसिल

दिवाली-छठ को लेकर मुख्यालय से फरमान जारी

दैनिक बिहार पत्रिका/पटना

बिहार में पुलिसकर्मियों की छुट्टी 29 अक्टूबर से 9 नवंबर तक रद्द कर दी गई है। आगामी पर्व त्योहार दीपावली, छठ को लेकर इनकी छुट्टी रद्द की गई है। बुधवार को पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

बिहार में त्योहार का सीजन चल रहा है। इससे पहले दुर्गा पूजा के दौरान भी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द की गई थीं।

अब राज्य में बड़ी ही धूमधाम से मनाई जाने वाले पर्व दिवाली और छठ पूजा को देखते हुए पुलिसकर्मियों की छुट्टियां कैंसिल करने का फरमान जारी हुआ है।

बताया जा रहा है कि विशेष परिस्थितियों में वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक या समादेष्टा की अनुमति लेकर ही

छुट्टी ली जा सकती है।छठ और दिवाली का पर्व पूरे बिहार में मनाया जाता है। इस दौरान कानून-व्यवस्था को बनाए रखना और इन दोनों पर्वों के दौरान शांति बनाए रखना पुलिस की एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। माना जा रहा है कि इसे देखते हुए ही पुलिसमुख्यालय ने पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द करने का फैसला किया है। आपको बता दे कि इससे पहले जिला प्रशासन ने भी एक आदेश जारी कर छुट्टिया कैंसिल किए जाने के संबंध में जानकारी दी थी। पटना जिला प्रशासन की तरफ से कहा गया था कि 29 अक्टूबर से लेकर 8 नवंबर तक छुट्टियों पर रोक लगाई गई है। सिर्फ विशेष परिस्थितियों में ही संबंधित प्रशासनिक अधिकारी से अनुमति लेकर छुट्टी ली जा सकती है।इससे पहले दुर्गा पूजा के दौरान कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां 5 अक्टूबर से लेकर 16 अक्टूबर तक कैंसिल की गई थीं। उस वक्त पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में सभी जिलों के एसपी, क्षेत्र के आईजी, डीआईजी और एडीजी को खत भेजा था।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने पेश किए खास दिवाली ऑफर्स

ग्राहकों को हर खरीदारी पर मिलेंगे गोल्ड कॉइन

दैनिक बिहार पत्रिका

मुंबई, दुनिया के सबसे बड़े खुदरा आभूषण विक्रेताओं (ज्वेलरी रिटेलर्स) में से एक मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने दिवाली के लिए खास पेशकश (ऑफर्स) की शुरुआत की है. ग्राहकों को हर खरीद पर गारंटीड गोल्ड कॉइन मिलेंगे. इसके साथ ही उन्हें गोल्ड रेट प्रोटेक्शन प्लान का भी फायदा मिलेगा, जिससे सोने के दाम में होने वाले बदलावों का असर उनपर नहीं पड़ेगा. ये ऑफर सोने, हीरे और अन्य बहुमूल्य पत्थरों के गहनों पर उपलब्ध है| बॉलीवुड स्टार और मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के ब्रांड एम्बेसडर अनिल कपूर ने राजस्थान के जोधपुर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में त्योहारी (फेस्टिव) ऑफर्स की शुरुआत की. इस कार्यक्रम में कंपनी के भारतीय कारोबार (इंडिया ऑपरेशंस) के प्रबंध निदेशक (मैनेजिंग डायरेक्टर) ओ. अशेर, रीजनल हेड (नॉर्थ) एन.

के. जिशाद औरजोनल हेड (नॉर्थ) के.पी. अनीस बशीर सहित अन्य गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया| मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद ने कहा,"ग्राहकों की संतुष्टि को प्राथमिकता देने वाले ज्वेलर के तौर पर हम इन खास दिवाली ऑफर्स की पेशकश करते हुए काफी उत्साहित हैं. हमारा लक्ष्य अपने ग्राहकों को खरीदारी के अद्वितीय फायदे देकर और शॉपिंग का शानदार अनुभव प्रदान करके उनके त्योहारी सीजन को और खास बनाना है. वैश्विक स्तर पर एकअग्रणी ज्वेलर के रूप में हमारी सफलता इस बात को दिखाती है कि हमारे मूल्यवान ग्राहक हम पर कितना अधिक विश्वास दिखाते हैं और हमें कितना अधिक सपोर्ट करते हैं."ये खास दिवाली ऑफर मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के सभी शोरूम पर तीन नवंबर तक उपलब्ध रहेंगे. इसके तहत कम-से-कम 50 हजार की खरीदारी पर सोने का सिक्का मिलेगा: गोल्ड ज्वेलरी की खरीदारी पर 200 मिली ग्राम का सोने का सिक्का, बहुमूल्य, अनकट और पोल्की ज्वेलरी खरीदने वालों को 300 मिली ग्राम और हीरे की ज्वेलरी खरीदने वालों 400 मिली ग्राम का सिक्का मिलेगा. गोल्ड रेट प्रोटेक्शन स्कीम के तहत ग्राहक महज 10 प्रतिशत राशि का भुगतान करके अपना गहना बुक कर सकते हैं और बुकिंग और खरीद की तारीख के बीच कम रेट चुन सकते हैं|

वैशाली: जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया छठ घाटों का निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका/मृत्युंजय कुमार

वैशाली| लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के मद्देनजर जिला पदाधिकारी वैशाली यशपाल मीणा एवं पुलिस अधीक्षक हरकिशोर राय ने संयुक्त रूप से कौनहारा घाट से लेकर पुलघाट तक सभी छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सभी घाटों पर साफ सफाई ,सुरक्षा के व्यापक इंतजाम, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पब्लिक एड्रेस सिस्टम की पर्याप्त व्यवस्था, सीसीटीवी से निगरानी, ड्रोन की मदद से निगरानी, सभी घाटों पर गोताखोरों की प्रतिनियुक्ति तथा एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ के द्वारा नदी में गस्ती करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने नदी में बांस से तीन लेयर में बेरिकेटिंग करने तथा खतरनाक घाटों को चिन्हित करने का

- बोट से घाटों का निरीक्षण करते जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक

भी निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी वैशाली को घाटकिनारे कैंप लगाकर चिकित्सा एवं एएनएम की प्रति नियुक्ति करने का निर्देश दिया गया। कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद को निर्देश दिया गया कि सभी घाटों के पहुंच पथ को ठीक से समतल कर चलने लायक रास्ता बनाया जाए, जिससे छठ व्रतियों को किसी प्रकारकी असुविधा न हो। रास्ते के दोनों और ब्लीचिंग पाउडर और चूने का छिड़कावकरने का निर्देश दिया गया ताकि कहीं कचरा अथवा बदबू ना रहे। निरीक्षण में जिला पंचायती राज पदाधिकारी नगर परिषद के अभियंता व अन्य पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

लूटपाट: छातापुर चुन्नी पथ पर ज्वेलर्स दुकानदार से हुई हथियार के बल पर लूटपाट,पड़ताल में जुटी पुलिस

सुपौल | सोनू कुमार भगत

छातापुर थानाक्षेत्र के चुन्नी स्थित मुरलीगंज शाखा नहर पर मंगलवार की देरशाम अज्ञात अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया है। बाईक सवार नकाबपोश तीन अपराधियों ने एक ज्वैलरी दुकानदार से तकरीबन छह लाख कै जेवरात व नगदी लूट लिये और मौके से भाग निकला। अग्नेयास्त्र का भय दिखाकर लूट के दौरान बदमाशों ने ज्वैलरी दुकानदार को जान से मारने की कोशिश भी की। जदिया थानाक्षेत्र के जदिया वार्ड संख्या पांच निवासी ज्वैलरी दुकानदार संतोष कुमार साह पिता अशोक साह है। वह चुन्नी स्थित नहर चौक पर न्यू आदर्श ज्वैलर्स नामक सोने चांदी की दुकान चलाता है। अन्य दिन की भांति वह बाइक से नहर के

रास्ते अपने घर जदिया जा रहा था। इस दौरान अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है। सूचना के बाद त्रिवेणीगंज एसडीपीओ विपीन कुमार, छातापुर थानाध्यक्ष शिवशंकर कुमार, राजेश्वरी थानाध्यक्ष संतोष कुमार सहित जदिया व त्रिवेणीगंज की पुलिस घटना स्थल पर पहूंची। एसडीपीओ ने पीड़ित ज्वेलर्स से आवश्यक पुछताछ की और दूकान के आसपास लगे सीसीटीवी के फूटेज को खंगाला। पीड़ित ज्वेलर्स संतोष कुमार ने बताया कि नित्य दिन की भांति वह पिठ्ठु बैग में जेवरात व नगदी लेकर समीप स्थित पेट्रोल पंप पर बाईक में पेट्रोल लिया और नहर के रास्ते घर जा रहा था। नहर चौक से ही ओवरटेक कर रहे एक बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने आगे से घेर लिया। जिसके बाद दोनो तरफ से कनपटी में पिस्तौल सटाकर बैग छीन लिया। लूट के दौरान उनलोगों ने जान से मारने की कोशिश भी की। लेकिन अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से भागकर उन्होने अपनी जान बचाई।

बैग में करीब सवा पांच लाख के आभूषण के अलावे नगदी 25 हजार, ओप्पो मोबाइल, कैशमेमो, आधार कार्ड आदि भी था, सभी अपराधी पुनः नहर चौक की तरफ ही भाग निकला। इस बाबत पुलिस मामले के अनुसंधान में जुटी हुई है। घटना को लेकर त्रिवेणीगंज डीएसपी बिपिन कुमार ने बताया की पुलिस आवश्यक पड़ताल में जुटी हुई है।

लगातार दो युवक के हत्याकांड के बाद से लोगों में दहशत का माहौल

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका:- थाना क्षेत्र के सिलजोरी पंचायत अंतर्गत पिछले हफ्ते दो गाँव से दो युवक की जघन्य हत्या के बाद पूरे पंचायत में दहशत का माहौल देखा जा रहा है। दोनों युवकों की हत्या बदले की भावना से हुई हो या फिर किसी अन्य कारणों से, मगर दोनों के हत्यारे की गिरफ्तारी अभी तक नही होने की वजह से इलाके के लोगों को किसी अनहोनी का भय सता रहा है। हालांकि दोनो ही मामलों में दर्ज कराई गयी प्राथमिकी से घटना का मुख्य कारण बदले की भावना में ही हत्या को अंजाम देना माना जा रहा है। जसीडीह पुलिस ने केमनमकटी गॉव से सेट आईओसी पाइप लाइन के बगल पानी भरे नाले से सिलजोरी पंचायत के कसई गॉव निवासी बीरेन्द्र यादव का शव बरामद किया था। इस मामले में मृतक की पत्नी ललिया देवी ने बिहारो गाँव के राजू यादव पिता पितांबर यादव, रूपा देवी पति राजू यादव व देवघर के मोहनपुर थाना क्षेत्र के कटन निवासी शंभू यादव व उसकी पत्नी के खिलाफ हत्या कराने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसके ठीक एक दिन बाद शनिवार को कोरिया जाने वाले रास्ते के आरपत्थर के समीप विवाही (भनरा) गॉव निवासी खिल्ली यादव के 22 वर्षीय पुत्र नन्दलाल उर्फ मुकेश यादव की हत्या के मामले मे उसकी मॉ सुमंती देवी ने कसई गॉव निवासी बुधन यादव के दो बेटे गिरिधारी व लालधारी कोरिया के छोटू यादव व रिखिया के सतबेहड़ी के राजेश अनिल व पवन यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। नन्दलाल उर्फ मुकेश की हत्या की वजह बदले की भावना में उठाया गया कदम माना जा सकता है क्योंकि नामजद अभियुक्त गिरिधारी और लालधारी यादव संतोष का चचेरा भाई है। और इसी संतोष के पिता कामदेव यादव की हत्या में मुकेश जेल से बाहर आया था।

पॉक्सो एक्ट और रेप के कांड का फरार आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/अमित कु. शर्मा

बौंसी/बांका:- थाना कांड संख्या 297 / 23 दिनांक 11/ 10/ 23 धारा 376/ 366 ए एवं 04 पोक्सो एक्ट के आप्राथमिकी अभियुक्त हरेराम कुमार उर्फ नीरज कुमार उम्र 24 वर्ष पिता कालू मांझी उर्फ कैलाश मांझी ग्राम दुर्गापुर थाना बौंसी जिला बांका को दुर्गापुर से कांड के अनुसंधान कर्ता पुलिस अवर निरीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह बौंसी थाना के द्वारा गिरफ्तार किया गया है। आवश्यक पूछताछ उपरांत उसे जेल भेजा जा रहा है। इस कांड में पुलिस को काफी समय से इस युवक की तलाश थी। पीड़िता के परिजन ने उक्त युवक के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। युवक पर लड़की से शारीरिक संबंध बनाने का आरोप है।

पैदल आ रहे काँवरियों के जत्था में तेजी व लापरवाही से धक्का मारने के मामले में 07 अपराधकर्मी गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- दिनांक 18.10.24 को केन्दुआर नगरडीह मोड़ के पास अज्ञात वाहन द्वारा सुलतानगंज से पैदल आ रहे काँवरियों के जत्था में तेजी व लापरवाही से धक्का मार दिया गया था जिसमें 07 लोगों की मृत्यु एवं 08 लोग जख्मी हो गये। दुर्घटना की सूचना डायल 112 पर मिलने पर पु0अ0नि बबन मांझी साथ साशस्त्र बल घटनास्थल पर पहुंचे तो करीम 200-300 की संख्या बके द्वारा डायल 112 के वाहन को घेर लिया गया एवं जामल 112 के पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल के साथ गाली गलीज करते हुए लाठी डण्डा में जानलेवा हमला कर दिया जिसमें पुलिस पदाधिकारी बबन मांझी गंभीर रूप से जख्मी हो गये एवं सशस्त्र बल भी जख्मी हो गया एवं किसी तरह अपना जान बचाएं। उपद्रवीयों के द्वारा जायल 112 के वाहन पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दिया गया जिसमें डायल 112 का वाहन पुरी तरह जल गया। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक बांका के निर्देश के आलोक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महोदय बांका के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल गठित कर अमरपुर थाना काड के प्राथमिक न अप्राथमिक अभियुक्त के विरूद्ध छापेमारी किया गया छापेमारी कर 07 अपराधकर्मी को दिनांक 23.10.2024 की रात्री में ग्राम नगरडीह से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान मनीष कुमार,

पिता - संजीव पंजियारा, पंकज कुमार यादव, पिता- स्व0 श्याम प्रसाद यादव, सूरज कुमार उर्फ सूरज पंजियास, पिता- विपिन पंजियारा, प्रवेश कुमार उर्फ अमित कुमार, पिता0 श्याम यादव, फंटूश कुमार, पिता0- कैलाश पंजियारा, रंजन कुमार, पिता0- अशोक पंजियारा, मुकेश यादव, पिता0- स्व0 किशुन यादव सभी निवासी नगरडीह, थाना- फुल्लीडूमर, जिला- बांका के रूप मे हुई है। गिरफ्तारी में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महोदय बांका। बिपिन बिहारी, पु0नि0 बांका अंचल मनीष कुमार, थानाध्यक्ष अमरपुर पंकज कुमार झा, थानाजान फुल्लीडूमर बल्लु कुमार, थानाध्यक्ष खेसर बलवीर विलक्षण, पु0अ0नि0 दयाकांत पासवान, पु0अ0नि0 राहुल कुमार, पु0अ0नि0 विक्की कुमार, पु0अ0नि0 विजय कुमार दूबे, स0अ0नि0 राजीव कुमार रंजन सामील थे।

पुलिस ने विभिन्न जगहों से अवैध चुलाई शराब की बरामद

साथ ही शराब सेवन के आरोप में 06 व्यक्तियों को किया गया गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- बौंसी थानान्तर्गत धोबनी नहर के पास से प्र0 स0 अ0 नि0 म0 नि0, प्रीति कुमारी के नेतृत्व में अभियुक्त छोटु कुमार, पे0-उपेन्द्र यादव, सा0-बेलुटीकर, वार्ड नं0-15, थाना-बाँका, जिला-बाँका, उम्र 23 वर्ष करीब को एक वाहन काले रंग के हीरो स्पेलेंडर प्लस मोटरसाईकिल जप्त कर अवैध चुलाई शराब की कुल मात्रा 05.000 लीटर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरी ओर कटोरिया थानान्तर्गत करझौंसा हटिया के पास से प्र0 स0 अ0 नि0 म0 नि0, किशोर कुमार के नेतृत्व में अभियुक्त (1). विनोद बेसरा, पे0-कैलाश बेसरा, सा0-धानवरण, थाना-कटोरिया, जिला-बाँका, उम्र 36 वर्ष करीब को अवैध चुलाई शराब की कुल मात्रा 03.000 लीटर बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

इ टी न0-274648 द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर बेलहर थानान्तर्गत धोधा गाँव के पास से प्र0 स0 अ0 नि0 म0 नि0, किशोर कुमार के नेतृत्व में अभियुक्त जयंती देवी, पति-राम चौधरी, सा0-धोधा, थाना-बेलहर, जिला-बाँका, उम्र 52 वर्ष करीब को अवैध चुलाई शराब की कुल मात्रा 03.000 लीटर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। साथ ही शराब सेवन के आरोप में 06 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय, बाँका के समक्ष पेश किया गया। जहाँ से उन्हे जुर्माना के बाद मुक्त किया गया।

अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जप्त, दर्ज हुई प्राथमिकी

दैनिक बिहार पत्रिका/कामेश्वर साह

फुल्लीडुमर/बांका:- मंगलवार रात्रि गश्ती के दौरान अवैध बालु लदे सोनालिका ट्रैक्टर को फुल्लीडुमर थाना क्षेत्र के तेलिया गांव से थाना अध्यक्ष बबलू कुमार के नेतृत्व में थाना के एस आई शरद श्रीकांत द्वारा अन्य पुलिस बलों के सहयोग से जप्त कर लिया गया। जप्त अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को थाना लाया गया। वहीं थाना अध्यक्ष बबलू कुमार ने बताया कि थाना में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई करते हुए डिटीओ को लिखा जा रहा है। ट्रैक्टर अमरपुर

थाना क्षेत्र के सादपुर पंचायत अंतर्गत भगौन गांव के अमन कुमार सिंह पिता किशोरी सिंह का बताया जा रहा है। वहीं थाना अध्यक्ष की इस कार्रवाई से चोरी छिपे अवैध बालू के कारोबार में लिप्त बालू माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

जन स्वराज प्रखंड कमेटी का हुआ गठन

दैनिक बिहार पत्रिका/ कामेश्वर साह

फुल्लीडुमर/बांका:- जन स्वराज फुल्लीडुमर प्रखंड कमिटी का हुआ विस्तार। जिला अध्यक्ष सुजाता वैध की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रखंड अध्यक्ष पद पर पवन कुमार यादव, सचिव अनंत कुमार शाह, प्रखंड महिला अध्यक्ष बबीता देवी, किसान प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष योगेंद्र मुर्मू, युवा प्रखंड अध्यक्ष विकास पासवान, सोशल मीडिया प्रभारी विकास कुमार यादव, कार्यालय प्रभारी कैलाश गुप्ता, प्रखंड उपाध्यक्ष किशोर कुमार केसरी, उपाध्यक्ष विजय सिंह, अखिलेश कुमार दास, महिला उपाध्यक्ष संगीता शर्मा, मुख्य प्रवक्ता अजीत कुमार शाह, संयोजन अभिनव कुमार, अभियान समिति सुनील तुडी, प्रखंड अभियान समिति ऋषभ राज , निलेश

कुमार आदि का चयन किया गया। संगठन विस्तार कार्यक्रम का शुरुआत इतनी शक्ति हमें दे ना दाता मन का विश्वास कमजोर हो ना प्रार्थना के साथ प्रारंभ किया गया। वहीं कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित जिला अध्यक्ष सुजाता वैध, चांदन प्रखंड प्रमुख सह जिला प्रमुख संघ के अध्यक्ष रवीश कुमार,जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार साह, पार्टी के जिला कमेटी के सदस्य कामेश्वर साह,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण कुमार उर्फ ललन शर्मा, रविंद्र मंडल एवं प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायत से आए दर्जनों जन सुराजी महिला एवं पुरुष मौजूद थे।

तीन सूत्री मांगों को लेकर कुलपति से मिला युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा का प्रतिनिधि मंडल

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा के प्रमुख संरक्षक वरिष्ठ छात्र युवा नेता शेख नौशाद ने जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति से मिलकर तीन सूत्री मांग की ।जिसमे स्नातक पार्ट थर्ड के परीक्षा फॉर्म विस्तारित किया जाए। विश्वविद्यालय के कुलपति ने बातों के गंभीरता पूर्वक सुनते हुए स्नातक पार्ट थर्ड के परीक्षा फॉर्म बढ़ाने की बात कही।

वही दूसरा मांग जेपी विश्वविधालय प्रशासन द्वारा मैनुअल अंक बनाने पर रोक लगा दी गई है जबकि परीक्षा विभाग में लगभग बीस हजार आवेदन स्नातक पार्ट थर्ड का बनाने के लिए पड़ा हुआ है। जो गंभीर स्थिति है।तीसरा मांग स्नातक पार्ट थर्ड के कंप्यूटरकृत अंक पत्र के लिए लगभग पंद्रह हजार से ऊपर राशि रसीद के साथ आवेदन परीक्षा विभाग में पड़ा हुआ है लेकिन विश्वविधालय प्रशासन थोड़ा सुस्त है वही छात्र नेता शेख नौशाद कहा की जयप्रकाश विश्वविधालय के कुलपति के लाख प्रयास के बाद भी महाविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रों के साथ दुर्व्यहार कर रहे है। छात्रों को सही जानकारी नहीं दे रहे है ,जो बहुत खेदजनक स्थिति है । प्रतिनिधि मंडल में छात्र नेता तैयब अली, वाशू विकाश, युवा नेता कादिर हुसैन,नेहाल खान,मुस्कान खातून,शिम्मी सिंह,नासरीन खातून सरताज खान थे।

लायंस क्लब ऑफ़ छपरा का भव्य स्थापना समारोह मनाया गया

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

सीपीएस विद्यालय के प्रांगण में लायंस क्लब ऑफ़ छपरा का भव्य और गरिमामय स्थापना समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लायन गणवंत कुमार मल्लिक, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर थे, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।कार्यक्रम का शुभारंभ सीपीएस की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुआ, जिसने उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से इंस्टॉलिंग ऑफिसर के रूप में लायन अनुपम सिंघानिया उपस्थित रहे, जबकि इंडक्टिंग ऑफिसर की भूमिका शहर के प्रतिष्ठित नेत्र चिकित्सक लायन डॉ. एस.के. पांडेय ने निभाई। ध्वज वंदना का पाठ लायन वरुण प्रकाश द्वारा किया गया, और प्रार्थना का पाठ लायन देवव्रत पांडे ने किया।क्लब के संस्थापक अध्यक्ष लायन सुशील वर्मा ने पिछले वर्ष की कोषाध्यक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत की और अपने कार्यकाल में किए गए कार्यों को साझा किया, जिसे उपस्थित सभी गणमान्य लोगों ने करतल ध्वनि से सराहा। तत्पश्चात, वर्ष 2024-25 के लिए लायन डॉ. विकास कुमार सिंह ने क्लब के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला। उन्होंने अपने पिछले तीन महीनों में किए गए सेवा कार्यों की जानकारी मंच से दी, जिसे उपस्थित अतिथियों और पदाधिकारियों ने खूब सराहा।इस समारोह में लायन राकेश मिश्रा ने सचिव पद की शपथ ली, लायन रवि भूषण श्रीवास्तव ने कोषाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर ओम इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर अभिषेक सिंह व्यवसाय प्रीतेश नारायण सिंह लायंस क्लब की सदस्यता ग्रहण की.कार्यक्रम में विशेष रूप से लायन मनोज कुमार वर्मा संकल्प और लायन विक्की आनंद की महत्वपूर्ण भागीदारी रही, जिन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की।मुख्य अतिथि लायन गणवंत कुमार मल्लिक ने लायंस क्लब के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि क्लब के प्रयास समाज में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाने की दिशा में है। उन्होंने क्लब को भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ सेवा कार्यों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।समारोह में लायन प्रह्लाद सोनी, लायन डॉ मकेश्वर चौधरी, लायन अभिनाश साह, लायन राकेश सहेला, लायन डॉ. संदीप कुमार, लायन डॉ उज्जवल कुमार वर्मा, लायन डॉ देव कुमार सिंह, लायन बलदेव सिद्धार्थ, लायन अश्विनी परमार आदि समेत कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

एक नज़र इधर भी

अज्ञात वाहन की ठोकर से एक व्यक्ति की मौत

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत मरहिया गांव के समीप अज्ञात वाहन की ठोकर से एक व्यक्ति की मौत हो गई ।मृतक जिले के खैरा थाना क्षेत्र निवासी स्व0 शिवनारायण शर्मा का पुत्र शोभनाथ शर्मा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक बीती रात छपरा किसी निजी क्लीनिक से इलाजरत मरीज़ को खाना व दवा देकर घर जा रहा था कि तभी मरहिया गांव के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। जिसके बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गया,सूचना पर पहुंची मुफस्सिल थाना पुलिस के द्वारा उसे सदर अस्पताल भेजा गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस के द्वारा परिजनों को इस संदर्भ में सूचना दी गई,जिसके बाद सदर अस्पताल मे परिजनों का रो-रो कर हाल बेहाल हो गया। वहीं सदर अस्पताल में मौजूद भगवान बाजार थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र समापन-सह - प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरण शिविर का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- उद्योग विभाग द्वारा संचालित बिहार लघु उद्यमी योजना मे चयनित लाभुकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र (दिनांक 21-10-24 से दिनांक 23-10-24 तक) का समापन- सह - प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरण शिविर का आयोजन शम्भु कुमार पटेल, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र, बांका द्वारा किया गया। बिहार लघु उद्यमी योजना अंतर्गत चयनित लाभुकों का 45 लाभुकों के अभी तक 20th बैच का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण प्रखण्ड सभागार में किया गया। मौके पर उपस्थित महाप्रबंधक,जिला उद्योग केंद्र, बांका द्वारा बिहार लघु उद्यमी योजना अंतर्गत सभी लाभार्थियों को विभाग के दिशा निर्देश के अनुसार कार्य करने, सफल उद्यमी बनने हेतु प्रेरित किया गया एवं उनके बेहतर भविष्य हेतु शुभकामनायें दी गई। इस शिविर में ज्योत्सना वर्मा, प्रदीप कुमार,परियोजना प्रबंधक जिला उद्योग केंद्र बांका एवम् चयनित लाभुकों द्वारा भाग लिया गया ।

सी०एच०सी० में युडी आई डी शिविर का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- अपर मुख्य सचिव, समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना का के पत्र के आलोक में राज्य के प्रत्येक दिव्यांगजनो को विशिष्ट पहचान पत्र युडी आई डी कार्ड प्रदान करने के उद्देश्य से युडी आई डी परियोजना का कार्यान्वयन दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है। जिसका संचालन बिहार राज्य में स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार के सहयोग से किया जा रहा है।

यह विदित है कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओ को लाभ प्राप्त करने हेतु युडी आई डी कार्ड एकल दस्तावेज के रूप में मान्य है। दिव्यांगजनों का युडी आई डी कार्ड का निर्माण हेतु सतत / निरंतर प्रक्रिया एवं अभियान के अतिरिक्त समय-समय पर विशेष शिविर लगाये जाने की आवश्यकता है, जिसकी शुरूआत दिनांक 17 अक्टूबर 2024 से 30 अक्टूबर 2024 के एक स्लॉट में किया जा रहा है। इसी क्रम में आज प्रखंड शंभुगंज प्रखंड के सी०एच०सी० में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 21 आवेदन शिविर में एवं 5 आवेदन ऑफलाइन प्राप्त हुए है इस प्रकार कुल 26 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से 21 आवेदकों का पंजीकरण हुआ एवं 7 का ऑनलाईन सर्टिफिकेट निर्गत हुआ। वहीं स्वावलंबन पोर्टल पर कुल लंबित आवेदनों की संख्या 1998 है।

कलयुग में भगवान के नाम मात्र से मनुष्य भवसागर से होता है पार : श्रीधर बाबा

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

कलयुग में केवल जैसे मनुष्य का कर्म होता है, वैसे ही फल भोगने को मिलता है।सुख-दुख उनके कर्मों के अनुसार ही मिलता है। भगवत भजन में वह शक्ति है, जो मनुष्य के जीवन में परिवर्तन ला सकती है।व्यक्तियों को अपने जीवन में काम, क्रोध, मद, लोभ त्याग कर श्रेष्ठ कर्म करना चाहिए। उक्त बातें सराय बक्स में विराट विष्णु महायज्ञ में यज्ञकर्ता संत श्रीधर दास जी महाराज ने कही। गुरुदेव श्रीधर बाबा ने कहा कि भगवान का नाम लेने मात्र से ही व्यक्ति भवसागर को पार हो जाता है क्योंकि राम चरित मानस में बताया गया है कि कलयुग केवल नाम अधारा, सुमिर सुमिर नर उतरही पारा...भागवत कथा जीवन में प्रकाश का कार्य करती है और जीवन के अंधकार को दूर करने के लिये भगवत चिंतन आवश्यक है। इससे मानसिक विकास होता है। मनुष्य के द्वारा जाने अनजाने में हुए पाप को ईश्वर के सामने प्रायश्चित करना ही एक मात्र उपाय है। जीवन को सार्थक करने का एक मात्र सरल उपाय भागवत चिंतन से जुड़ना है। भगवान को प्रसन्न करने का सुगम व सुलभ साधन यह है कि जो मिला है, उसी में संतुष्ट रहो, प्राणी मात्र पर दया करो। सतत प्रभु का चिंतन करो। ये तीन साधन ही ईश्वर से मिलाने का प्रसस्त मार्ग है और इंसान इन्हीं चीजों से अनभिज्ञ है। मनुष्य बहुत ही स्वार्थी हो गया है। मनुष्य के जीवन में तीन बातें बड़ी ही अनमोल है।समीक्षा, परीक्षा और प्रतीक्षा कहा गया है कि मनुष्य को अपनी समीक्षा करनी चाहिये ना कि दूसरों की। परीक्षा अपनों की ले ना कि भगवान की। ईश्वर मिलने की प्रतीक्षा करें जीवन में भगवत प्राप्त हो जायेगी।

पंचायत सरकार भवन एवं ई-ग्राम कचहरी कोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम तथा जिला परिषद् पोर्टल का किया जायेगा उद्घाटन

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

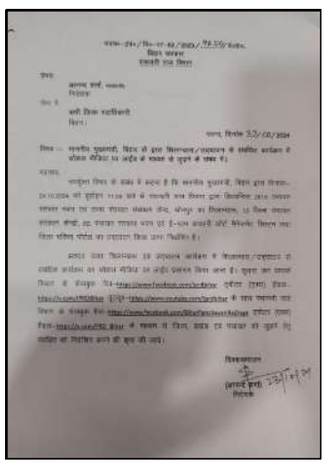

बांका:- मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा दिनांक- 24.10.2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से पंचायती राज विभाग द्वारा क्रियान्वित 2615 पंचायत सरकार भवन एवं राज्य पंचायत संसाधन केन्द्र, सोनपुर का शिलान्यास, 13 जिला पंचायत संसाधन केन्द्रों, 65 पंचायत सरकार भवन एवं ई-ग्राम कचहरी कोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम तथा जिला परिषद् पोर्टल का उद्घाटन किया जाना निर्धारित है। शिलान्यास एवं उद्घाटन कार्यक्रम में शिलान्यास/उद्घाटन से संबंधित कार्यक्रम का सोशल मीडिया पर लाईव प्रसारण किया जाना है। सूचना जन सम्पर्क विभाग के फेसबुक पेज https://www.facebook.com/iprdbihar ट्वीटर (एक्स) हैंडल- https://x.com/IPRDBihar यूट्यूब https://www.youtube.com/iprdbihar के साथ पंचायती राज विभाग के फेसबुक पेज-https://www.facebook.com/BiharPanchayati Raj Dept ट्वीटर (एक्स) हैंडल-https://x.com/PRD Bihar के माध्यम से जिला, प्रखंड एवं पंचायत को जुड़ेंगे।

पी० बी० एस० महाविद्यालय का बड़ी धूम-धाम से मनाया गया 65वाँ स्थापना दिवस

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- पी० बी० एस० महाविद्यालय, बाँका का 65वाँ स्थापना दिवस बुधवार को बड़ी धूम-धाम से मनाया गया। इस समारोह का मुख्य अतिथि सह उद्घाटनकर्ता ति० माँ० भा० वि० वि०, भागलपुर के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) जवाहर लाल थे। जबकि समारोह के अध्यक्षता प्रभारी प्रचार्य प्रो. (डॉ.) अरविंद कुमार साह कर रहे थे। इस समारोह में महाविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र पंकज कुमार आई ए एस को इस समारोह में गेस्ट ऑफ ऑनर से सम्मानित किया था। जो बिहार सरकार के पी. एच. डी. विभाग में प्रधान सचिव के पद पर कार्यरत है। तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर के पदाधिकारी सी. सी. डी. सी. डॉ. अतुल चंद घोष, सीनेट सदस्य, डॉ. अवधेश रजक, डॉ. अंशुमान टी एन बी एवं उचित नारायण सिंह, इत्यादि उपस्थित थे। यह महाविद्यालय अपना स्थापना दिवस 65 वर्ष की यात्रा में पहली बार मना रहा था। इस अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व प्रचार्य, कई पूर्ववर्तीय छात्र एवं महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राएँ उपस्थित थे। कुलपति महाविद्यालय समय से पहुँच चुके थे। प्रचार्य कक्ष में कुलपति महोदय का प्राचार्य एवं महाविद्यालय परिवार के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। सबसे पहले कुलपति महोदय के द्वारा महाविद्यालय बेवसाइट का उद्घाटन किया गया। जिससे छात्रों को महाविद्यालय एवं विश्व विद्यालय के संबंधीत नामांकन से लेकर सुचना तक ऑनलाइन के माध्यम से सुविधा एवं जानकारी मिलेगी। एन सी सी कैडेट के द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पं. बालीराम शर्मा के मूर्ति पर माल्यार्पण किये। जबकि पूर्व सांसद वैणी शंकर शर्मा (संस्थापक) के पौत्र श्री रवि शर्मा एवं उनकी पत्नी सुधा शर्मा एवं उनके परिवार भी मूर्ति पर माल्यार्पण किये। सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत प्राचार्य एवं महाविद्यालय परिवार के सदस्यों के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. कौशल कुमार सिंह, सुभाष कुमार सिंह, प्रो. पवन कुमार सिंह एवं पूर्ववर्तीय छात्र महेश्वरी प्रसाद यादव, विश्वबन्धु बमबम (पूर्व प्रमुख), अनिल कुमार सिंह (पूर्व जिला अध्यक्ष), मिथुन कुमार, ज्ञानदीप मंडल, चंदन आनंद, मनोज कुमार सिंह (जिला परिसद), नितिन कुमार यादव, आदित्य अभिनव, इत्यादि को महाविद्यालय परिवार के द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बाँका जिला के पदाधिकारी अंशुल कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जिन्हें बुके, अंग वस्त्र तथा मोमेन्टो देकर प्राचार्य महोदय ने सम्मानित किया। अचल भारती एवं उद्योश रवि के द्वारा संग्रहित स्मारिका आरण्यक का विमोचन कुलपति महोदय सहित सभी अतिथि गण के द्वारा किया गया। कुलपति ने पी. बी. एस. महाविद्यालय, बाँका को बाँका जिला एवं पूरे बिहार का एक उत्कृष्ट महाविद्यालय एवं शिक्षा का मुख्य केंद्र बनाने का अश्वसन दिए तथा इसके लिए हर संभव सहयोग देने का वचन दिये। साथ ही यह भी घोषणा किये की इस महाविद्यालय का मुख्य द्वार बांका विधायक राम नारायण मंडल के द्वारा बहुत जल्द निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि स्नातक की पढ़ाई अगले सत्र से शुरू हो जाएगा। विभिन्न भोकेशनल कोर्स की पढ़ाई अगले सत्र से प्रारंभ करने का अश्वासन दिया। पी. एच. डी. विभाग, बिहार सरकार के प्रधान सचिव एवं यहाँ के पूर्ववर्ती छात्र श्री पंकज कुमार ने भी इस महाविद्यालय का शिक्षा का उत्कृष्ट केंद्र बनाने के लिए हर संभव सहयोग देने का अश्वासन दिए तथा दूसरे विभागों से भी सहयोग दिलवाने का अश्वासन दिए तथा दूसरे विभागों से भी सहयोग दिलवाने का अस्वासन दिए। बाँका जिला के जिलाधिकारी अंशुल कुमार ने भी इस महाविद्यालय के विकास में प्राचार्य को सहयोग देने का अस्वासन दिए। 65वाँ स्थापना दिवस के इस अवसर पर पालटन हेम्ब्रम एवं सॉफी सोरेन के द्वारा तिलका माँझी का एक तसवीर भेट किये। उनके साथ 50 की संख्या में संथाली समाज के लोग नृत्य करते हुए मंच के समीप पहुँचकर कुलपति एवं वहाँ के मंच पर उपस्थित अतिथियों का नृत्य के द्वारा स्वागत किया गया। जो सभी का मन मोह लिए।

विधायक मनोज यादव द्वारा जनता दरबार आयोजित कर सुनी जन समस्या

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका:- बेलहर विधायक मनोज यादव अपने दर्जनों समर्थकों के साथ मंगलवार 22 अक्टूबर को प्रखंड मुख्यालय स्थित निरीक्षण भवन परिसर में जनता दरबार शिविर आयोजित कर लोगों कि जन समस्या सुनी। इस मौके पर मुख्य रूप से चांदन बीडीयो अजेश कुमार चांदन सीओ रविकांत कुमार सहित गणमान्य लोग मौजूद थे। आयोजित शिविर में फरियादियों द्वारा प्रधानमंत्री आवास,जल नल, एवं भूमि विवाद से संबंधित मामले विधायक मनोज यादव को अवगत कराया। जहां मौके से विधायक मनोज यादव ने सम्बंधित पदाधिकारियों को फोन कर फरियादी का काम शिघ्र निष्पादन करने का आदेश दिए। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित लाभुकों को प्राथमिकता के तौर पर सबसे निचले स्तर गरीब परिवारों लाभान्वित करने का बीडीओ अजेश कुमार को निर्देशित किया। साथ ही पुर्व में प्रधानमंत्री आवास लाभांवित लाभुकों को डाटा कलेक्ट करने कि बात कही।जो लाभुक प्रधानमंत्री आवास योजना का पैसा उठाव कर आज तक आवास नहीं बनाया गया है उस पर सख्त कार्रवाई करते हुए आवास पुर्ण कराने का निर्देश दिया। वहीं भूमि विवाद मामले में सीओ रविकांत कुमार को शिघ्र निष्पादन करने को कहा गया। तत्पश्चात विधायक मनोज यादव आदि समर्थक सिलजोरी पंचायत भनरा गांव के मृतक गौरव कुमार पिता संजय झा के घर पहुंचे, और शोकाकुल परिवार से मिलकर कुशल छेम जाना। बताया मृतक गौरव कुमार को सांप के काटने से मौत हो गया था। साथ ही सिलजोरी पंचायत बाघमारी गांव के शम्भू मंडल का आकस्मिक निधन हो गया था, उनके घर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त किया और शोकाकुल परिवार सांत्वना दिए। मौके पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष दीपक भारती, सहित दर्जनों ग्रामीण व समर्थक मौजूद थे।

भैरोपुर अलगडूमर मार्ग के बदुआ नदी बना राहगीरों का मुसीबत

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका:- आनंदपुर थाना अंतर्गत सिमुलतला भैरोगंज मुख्य मार्ग से सटे अलगडुमर गांव जोड़ने वाले मार्ग आज भी मझदार में अटल कर रह गया है। जिससे अलगडूमर,हिरारायडीह, मोहन डीह,सतीघाट,बेहरार,भोरसार सहित एक दर्जन गांव के लोगों को भैरोगंज बाजार के अलावे चांदन प्रखंड मुख्यालय व देवघर कटोरिया जाने वाले लोगों काफी फजीहत उठानी पड़ रही है। जिसका मुख्य कारण है कि मुख्य सड़क से अलगडूमर गांव जोड़ने वाली मार्ग के बीच बदुआ नदी मे पुल नहीं होना, नदी में पुल नहीं होने से लोगों को लगभग पांच किलोमीटर घुमाऊं रास्ते से गुजरना पड़ता है। इतना ही बरसात के मौसम नदी बाढ़ आ जाने से पैदल चलने वाले राहगीर व बाइक चालक अपनी जांन जोखिम में डालकर नदी पार करते है, जिससे खतरा बना रहता है। बरहाल देखा जाए तो वैध व अवैध तरीके से नदी में हो बालू उठाव से नदी कि गहराई बढ़ती जा रही। नदी में जगह-जगह गड्ढे में तब्दील हो गया है। इतना ही नदी के किनारे किसानों को खेत में सिंचाई(खेती) करने में भारी कठिनाई उत्पन्न हो गया है। बालू उठाव के कारण खेतों का जल स्त्रोत घटती जा रही है। ग्रामिणों का कहना है कि अलगडूमर से भैरोगंज मार्ग जोड़ने वाली सड़क और नदी में पुल बनवाने का मांग कई बार स्थानीय सांसद गिरधारी यादव सहित पुर्व विधायक सह पुर्व केंद्रीय मंत्री जय प्रकाश यादव के आलावा वर्तमान बेलहर विधायक मनोज यादव किया जा चुका है। लेकिन आजतक सिर्फ अश्वासन ही देते आ रहे हैं। वोट लेने के बड़े बड़े लुभावने वायदे कर वोट ले लेते हैं, और चुनाव जितने के सब भुल जाते हैं। बदुआ नदी में पुल होना अतिआवश्यक है। नदी में पुल नहीं रहने से क्षेत्र के ग्रामिण कई बार हादसे का शिकार हो गया है। नदी के दोनों क्षोर बालू लदे ट्रेक्टर के आवागमन से बड़े-बड़े गड्ढे बन गया है। जबकि नदी के दुसरे क्षौर अलगडूमर गांव तक पक्की सड़क बना हुआ है।

सीडीपीओ की उपस्थिति में आंगनबाड़ी सेविकाओं की हुई बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका/कामेश्वर साह

फुल्लीडुमर/बांका:- जिला पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में फुल्लीडुमर प्रखंड समागार में सीडीपीओ चंदन कुमार की उपस्थिति में बुधवार को प्रखंड के सभी आंगनबाड़ी केंद्र कि सेविकाओं का पोषण ट्रैक्टर एप से संबंधित सभी डाटा अपलोड करने हेतु बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से जिला समन्यवक समस तबरेज, प्रखंड समन्यवक प्रियरंजन भारती, पर्यवेक्षिका चंदा कुमारी, प्रीति कुमारी एवं प्रायः सभी आंगनबाड़ी सेविकाएं उपस्थित थी।

आपकी सरकार आपके द्वार शिविर आयोजित

बच्चों और मेहनती बनायें, जीविका से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती है : डीएम

दैनिक बिहार पत्रिका/अमित कु. शर्मा

बौंसी/बांका:- प्रखंड क्षेत्र के सरुवा गांव में बुधवार को सरकार की योजनाओं का जागरूकता के उद्देश्य से आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता को लेकर शिविर भी लगाए गए थे। इस मौके पर विधायक निक्की हेंब्रम मुख्य रूप से उपस्थित थी। जिलाधिकारी बांका ने उपस्थित ग्रामीण भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि आप सबसे पहले जागरूक हो और मेहनत और परिश्रम कर अपने अपने बच्चों को शिक्षित स्वास्थ्य और मेहनती बनाएं ताकि आने वाले कल में यह उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सके और अच्छी जिंदगी जी सके। इनके भविष्य निर्माण के प्रति आप सभी को जागरुक होकर प्रयास करना होगा। जीविका में महिलाओं को आर्थिक सशक्त बनाया है। जीविका से जुड़कर स्वरोजगार से अपनी भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं। सरकार इसके लिए आपको संपूर्ण सहयोग कर रही है। एक दर्जन काउंटर कार्यक्रम में बनाए गए थे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्थानीय ग्रामीण और जनप्रतिनिधि के अलावा इस मौके पर डीसी अंजनी कुमार एडीएम अजीत कुमार एसडीम अविनाश कुमार जिला योजना पदाधिकारी बबन कुमार, डीसीएलआर, डीटीओ प्रेम कांत सूर्य डीपीआरओ रवि प्रकाश गौतम डी आर डी ए के डायरेक्टर, सहायक समाहर्ता अनिरुद्ध पांडे सहित स्थानीय प्रखंड प्रमुख नीतू हेमब्रम अंचलाधिकारी प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित कई लोग मौजूद थे।

प्रोन्नत मध्य विद्यालय कुसुम जोरी में चेतना कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को किया जागरूक

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका:- प्रखंड के कुसुम जोरी पंचायत अवस्थित प्रोन्नत मध्य विद्यालय कुसुम जोरी में 22 अक्टूबर मंगलवार को विद्यालय के नव नियुक्त प्रधानाध्यापक पंकज पांडेय पिंकू के नेतृत्व में बच्चों और विद्यालय परिसर के शिक्षक शिक्षिकाएं के बीच चेतना कार्यक्रम आयोजित कि गई है। इस मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाऐं एवं छात्र छात्राएं मौजूद थे। चेतना कार्यक्रम के तहत विद्यालय के प्रधानाध्यापक पंकज पांडेय पिंकू ने बताया कि चेतना का मतलब है, किसी जीव को अपने और अपने आस-पास के वातावरण को समझने और उनकी बातों का मूल्यांकन करने की शक्ति मनोविज्ञान के मुताबिक, चेतना ही वह तत्व है। जिसकी वजह से इंसान को कई तरह की अनुभूतियां महशुस करती है. चेतना की वजह से ही हम देखते, सुनते, और समझते सोचते हैं। स्कूल में चेतना सत्र का आयोजन किया जाता है. इन सत्रों में स्कूल से जुड़ी जानकारी, आदेश, निर्देश, निर्णयों के बारे में बताया जाता है। चेतना सत्र में छात्रों की खास उपलब्धियों को मनाया जाता है और उन्हें पुरस्कार दिया जाता है। इससे छात्रों का मनोबल बढ़ता है और दूसरे छात्रों को भी प्रेरणा मिलती है। चेतना-आधारित शिक्षा, छात्रों और शिक्षकों में बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता, और खुशी बढ़ाने के लिए एक वैज्ञानिक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में प्राकृतिक और सहज ट्रांसेंडेंटल मेडिटेशन का इस्तेमाल किया जाता है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ' योजना के तहत दलित बस्ती सामुदायिक बैठक का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- महिला एवं बाल विकास निगम एवं जिला प्रशासन बाँका के संयुक्त तत्वावधान में "बेटी बचाओ, बेटी पढाओ" योजना के तहत दलित बस्ती ढाडाबाडी, समुखिया, बाँका में बुधवार को सामुदायिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राजीव रंजन, जिला परियोजना प्रबंधक, महिला एवं बाल विकास निगम, बाँका द्वारा किया गया। बैठक में उपस्थित समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा की "बेटी बचाओ, बेटी पढाओ" योजना के तहत बेटियों के शिक्षा,सुरक्षा,स्वास्थ्य, पोषण, सम्मान, समानता एवं संरक्षण हेतु सरकार कृतसंकल्पित है। आप सभी बेटा-बेटी में कोई भेदभाव नहीं करे तथा समान अवसर दे साथ ही उनके लालन-पालन में कोई अंतर नहीं करें। बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ रही है सिर्फ उन्हें अवसर देने की जरूरत है। लडकियों के घटते संख्या अर्थात बाल लिंगानुपात को सही करना आवश्यक है। कन्या भ्रूण हत्या एक जघन्य अपराध है। उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए सरकार द्वारा चलायी जा रही योजना यथा मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर इत्यादि के बारे बताये साथ ही महिला हेल्पलाइन टॉल फ्री नंबर 181 एवं आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी दिए। बैठक के दौरान जिला परियोजना प्रबंधक द्वारा उपस्थित समुदाय के लोगों,महिलाओं,बालिकाओं एवं सहभागियों को बेटियों के शिक्षा,सुरक्षा,स्वास्थ्य, पोषण, सम्मान, समानता एवं संरक्षण हेतु संकल्प दिलाया गया। बैठक में उडान परियोजना के पंकज कुमार, सुधांशू कुमार विकासमित्र मनोज तुरी ,ग्रामीण सीता राम, नरेश तुरी,भूदेव तुरी,होरिल तुरी,नीलम देवी,निर्मला देवी,किरण देवी,रीना देवी,पिंकी देवी, किशोरी बर्षा, रूपा,शिवानी,पूजा,मुन्नी, खुशबू,श्वेता एवं अन्य ग्रामीण तथा सहभागियों की उपस्थिति रही।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार के अध्यक्षता में प्रखंड-बौंसी, ग्राम पंचायत-सरूआ, ग्राम-रतनसार में आवासित माल पहाड़िया एवं संथाल जनजाति समूह को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु "आपकी सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम का आयोजन कर नागरिकों के जन-समस्याओं की सुनवाई एवं "ऑन स्पॉट निष्पादन किया गया। इस दौरान माननीय विधायक कटोरिया, निक्की हेंब्रम सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। शिविर में क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न विभागों के मे आई हेल्प यू कांउटर के साथ साथ अन्य कांउटर बनाए गए थे। जिसमें स्वास्थ्य, आवास योजना, विद्युत विभाग, शिक्षा विभाग, पेंशन योजना, उत्पाद विभाग, सहकारिता एवं मत्स्य, पीएचईडी, बैंकिंग आदि मुख्य रूप से शामिल है। सभी काउंटर पर विभागीय पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। मे आई हेल्प यू कांउटर पर सबसे पहले सभी स्थानीय नागरिकों से उनकी समस्याओं को सुना गया और उनसे लिखित आवेदन लिया गया , जिसके बाद सभी को संबंधित विभाग के कांउटर पर भेजा गया। तत्पश्चात सभी विभागों द्वारा उनके समस्याओं को सुना गया और निष्पादन करने की कार्यवाही की गई। जिला पदाधिकारी, बांका श्री अंशुल कुमार सभी काउंटरों की जांच की गई तथा शिविर में आए आवेदनों का तुरंत निष्पादन करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी को दिया गया। जिला पदाधिकारी के साथ साथ सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी कार्यक्रम की पुरी अवधि तक बने रहे। जिला पदाधिकारी द्वारा बच्चों को जन्म प्रमाण पत्र वितरण किया गया तथा बाल विकास परियोजना कार्यालय द्वारा संचालित काउंटर पर गोदभराई रस्म अदायगी की गई। अंत में जिला पदाधिकारी द्वारा पास है निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवन का निरीक्षण किया गया तथा इस दौरान संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी, बांका के साथ साथ सहायक समाहर्ता, बांका, उप विकास आयुक्त, बांका, अपर समाहर्ता, बांका, जिला परिवहन पदाधिकारी, बांका, भूमि सुधार उप समाहर्ता, बांका ,अनुमंडल पदाधिकारी, बांका, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, बांका, निदेशक, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, बांका, जिला योजना पदाधिकारी, बांका,महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र, बांका, सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

बीपीआरओ ने किया केवला विद्यालय का औचक निरीक्षण

सुपौल | सोनू कुमार भगत

छातापुर।प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी देश कुमार ने बुधवार को आदर्श प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किए।उन्होनें ने सभी वर्ग कक्ष में पहुँच कर बच्चों से पठन-पाठन के बारे में विस्तारपूर्वक पूछताछ किए।सभी शिक्षक विद्यालय में उपस्थित थे।नामांकन के अनुरूप छात्रों की उपस्थिति भी बेहतर पाया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की व्यवस्था, पठन पाठन , मध्याह्न भोजन, शिक्षक और छात्रों की उपस्थिति, शौचालय और पेयजल सहित अन्य बिंदुओं पर जांच पड़ताल किया। निरीक्षण के बाद पंचायती राज पदाधिकारी ने बताया कि इस तरह का सुसज्जित और सुव्यवस्थित विद्यालय काबिलेतारीफ है।उन्होनें शिक्षक सह कवि नरेश कुमार निराला का तारीफ करते हुए कहा कि उत्कृष्ट शिक्षक के साथ-साथ अप बेहतर कवि भी है।उन्होनें कहा हिन्दी दिवस के मौके पर प्रखंड कार्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कवि श्री निराला के कविता को सुनने का अवसर मिला था। श्री कुमार ने कहा कि इतना सुन्दर विधि व्यवस्था निजी विद्यालय में देखने को मिलता है।मुखिया रंजन कुमार भारती ने कहा कि यह विद्यालय शैक्षणिक और साफ-सफाई में अव्वल स्थान रखता है।बीपीआरओ और मुखिया ने सभी शिक्षकों का तारीफ करते हुए कहा कि विद्यालय का इस तरह के मेंटनेंस करके रखना अनुकरणीय है।मौके पर प्रधानाध्यापक अमित कुमार, नरेश कुमार निराला, अशोक कुमार राम, नीतू कुमारी, पूजा कुमारी, फूल कुमारी, सुनील कुमार मंडल, मोहम्मद इब्तेहाज, पंचायत लेखापाल भास्कर कुमार आदि उपस्थित थे।

इमामगंज-बेलागंज विधानसभा के हर गांव-घर में प्रशांत किशोर की लहर : भवानी सिंह

दैनिक बिहार पत्रिका/ धीरज गुप्ता

गया।इमामगंज: जन सुराज पार्टी के इमामगंज के प्रत्याशी डॉ. जितेंद्र पासवान और बेलागंज से प्रत्याशी मोहम्मद अमजद गुरुवार को विधानसभा उप-चुनाव के लिए नॉमिनेशन करेंगे। इसको लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पूरी तैयारी कर ली है। सभी पंचायतों-गांवों से लोग डॉ. जितेंद्र पासवान और मोहम्मद अमजद के समर्थन में चलने के लिए इक्छुक हैं। इमामगंज विधानसभा की बात करें तो सभी लोग अपने घरों से निकलकर डुमरिया, इमामगंज, बांके बाजार होते हुए गया के लिए प्रस्थान करेंगे। बता दें कि गया में गुरुवार को नामांकन सभा आयोजित की जाएगी। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान विधानसभा उप-चुनाव के लिए बेलागंज और इमामगंज क्षेत्र के प्रत्याशी मोहम्मद अमजद और डॉ जितेंद्र पासवान अपने सभी समर्थकों को लेकर पहुंचेंगे। गुरुवार को इस सभा का आयोजन गया के खेल परिसर में किया जाएगा।जन सुराज के वरिष्ठ नेता भवानी सिंह ने बुधवार को इमामगंज में प्रेस वार्ता की। इस दौरान भवानी सिंह ने कहा कि गुरुवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता सहित आम लोग जन सुराज से इमामगंज के प्रत्याशी डॉ. जितेंद्र पासवान के साथ नॉमिनेशन के लिए गया जाएंगे। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए भवानी सिंह ने कहा कि जन सुराज के कार्यकर्ता इमामगंज विधानसभा में हर एक गांव, हर एक घर तक पहुंचेंगे। वहीं जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर की विचारधारा को लोगों तक पहुंचाएंगे। इसके लिए महिला टीम, अल्पसंख्यक टीम, यूथ टीम के साथ अन्य टीम जमीन पर उतरकर ग्रामीणों के बीच जाकर संवाद कर रही है। भवानी सिंह ने कहा कि जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर बिहार की गरीबी को दूर मिटाना चाहते हैं, बिहार के बच्चों को शिक्षित करना चाहते हैं, युवाओं को रोजगार मुहैय्या कराना चाहते हैं। उस दिशा में हम क्या करेंगे ये बात आम लोगों को बता रहे है। वहीं इमामगंज विधानसभा के शहरी क्षेत्र से लेकर हर गांव में जन सुराज और प्रशांत किशोर की लहर देखने को मिल रही है।

कार्यकर्ताओं की एकजुटता से बिहार के विकास में बढ़ेगा एनडीए का समर्थन: डॉ. दिलीप जायसवाल

डॉ. दिलीप जायसवाल ने बेलागंज में एनडीए नेताओं के साथ उपचुनाव की तैयारियों पर की चर्चा

दैनिक बिहार पत्रिका / धीरज गुप्ता

गया।गया जिले के बेलागंज और इमामगंज में आज भाजपा बिहार प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने एनडीए नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की गई है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी उपचुनाव की तैयारियों का जायजा लेना और चुनावी रणनीतियों पर गहन चर्चा करना था।इस बैठक में जिले के सभी प्रमुख पदाधिकारी और समर्पित कार्यकर्ता उपस्थित थे। डॉ. दिलीप जायसवाल ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, "इस उपचुनाव में हमारी सफलता कार्यकर्ताओं की एकजुटता और सक्रियता पर निर्भर करती है। हर कार्यकर्ता का समर्पण चुनावी सफलता का आधार बनेगा।"डॉ. जायसवाल ने एनडीए कार्यकर्ताओं के बीच आपसी तालमेल की भी विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा, "हमारे कार्यकर्ताओं का बूथ स्तर पर आपसी तालमेल अत्यंत सराहनीय है, और हमें इस तालमेल को बरकरार रखते हुए उपचुनाव में भी विपक्ष को करारी शिकस्त देनी है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि संगठन की यह एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है, और इसी के बल पर हम जीत की ओर अग्रसर होंगे।इस बैठक के दौरान, कल बेलागंज और इमामगंज में होने वाले नामांकन को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई है। डॉ. जायसवाल ने नामांकन से जुड़ी तैयारियों का गहन निरीक्षण किया और सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सही और अनुशासित ढंग से लागू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा, "नामांकन प्रक्रिया में कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए, यह प्रक्रिया हमारी संगठनात्मक मजबूती का परिचायक है।

सभी कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी समझें और इसे सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए पूरी तत्परता से जुट जाएं।" इस बैठक में एनडीए के वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने विचार रखे और सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एकजुटता और संगठन की मजबूती से ही चुनावी लड़ाई जीती जा सकती है।डॉ. दिलीप जायसवाल ने अपने संबोधन के अंत में कहा, "कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण ही हमारी जीत की नींव है। हमें एकजुट होकर पूरी ताकत के साथ चुनावी अभियान को आगे बढ़ाना है, ताकि बिहार के विकास के लिए एनडीए को मजबूत समर्थन मिल सके। बिहार की जनता का विश्वास और समर्थन हमें राज्य के सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रेरित करता है, और हमें इसे बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करना है।"

बेला मे मंत्री डॉ प्रेम कुमार,प्रदेश अध्यक्ष जदयू उमेश कुशवाहा,प्रदेश अध्यक्ष हम सह पूर्व मंत्री अनिल कुमार, वजीरगंज विधायक बिरेंद्र सिंह,विधान पार्षद कुमुद वर्मा,पूर्व सांसद रामजी मांझी,हरि मांझी, पूर्व विधायक श्यामदेव पासवान, पूर्व विधायक बिनोद यादव,प्रदेश महामंत्री जगन्नाथ ठाकुर,प्रदेश मंत्री अमित दांगी, जदयू मुख्यालय प्रभारी चंदन सिंह,भाजपा जिला अध्यक्ष प्रेमप्रकाश चिंटू सिंह, जदयू जिला अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद,लोजपा जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह एवं जदयू प्रदेश सचिव सह नवादा प्रभारी चंदन कुमार यादव,डा मनिष पंकज मिश्रा,हरे राम सिंह, अनंत धीश अमन,कोशल शर्मा,तैलिक महासभा जिलाअध्यक्ष संजु साव,प्रदेश अध्यक्ष के साथ इमामगंज में डॉ प्रेम कुमार मंत्री, मंत्री संतोष सुमन, टेकरी विधायक अनिल कुमार,बाराचट्टी विधायिका ज्योति मांझी,पूर्व विधायक शैरघाटी बिनोद यादव,हम के प्रत्याशी दीपा मांझी,भाजपा जिला अध्यक्ष प्रेमप्रकाश चिंटू सिंह ,जदयू जिला अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद,हम जिला अध्यक्ष नारायण मांझी,रालोसपा जिला अध्यक्ष बंटी वर्मा,लोजपा जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह,पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष धनराज शर्मा, टूटू खान।

कृषि सांख्यिकी संबंधित प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/समस्तीपुर

विद्यापतिनगर। प्रखंड कार्यालय स्थित पंचायत समिति भवन के सभागार में बुधवार को कृषि वर्ष 2024-25 को लेकर कृषि सांख्यिकी से संबंधित एक दिवसीय आवृति चर्या सहत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता बीडीओ महताब अंसारी ने की। इस प्रशिक्षण में प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी रंजीत कुमार सहित सभी कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार एवं राजस्व कर्मचारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण में कृषि वर्ष 2024-25 में कृषि सांख्यिकी से संबंधित विभिन्न विषयों यथा खेसरा पंजी, दुत जिंसवार (अनुमानित क्षेत्रफल आकलन) फसल सांख्यिकी सुधार ई स्टेस पोर्टल के माध्यम से सामान्य जिंसवार मौसम सिंचित विवरणी, नेत्रांकन, फसल बर्बादी, भूमि उपयोग विवरणी, शुद्ध सिंचित विवरणी, प्रक्षेत्र मूल्य आदि संग्रहण एवं संकलन तथा उपज दर आकलन हेतु फसल एवं फल व सब्जी कटनी प्रयोग (फिल्म दृश्य/पावर प्वाइंट) प्रेजेंटेशन के माध्यम से जीसीईएस एवं सीसीई के एप पोर्टल पर आधारित फसल कटनी प्रयोग आदि के आंकड़ों के संग्रहण, संकलन प्रणाली एवं विश्लेषण में गुणात्मक सुधार हेतु संबंध पदाधिकारियों/कर्मियो के क्षमता वर्धन के उद्देश्य से प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस मौके पर कृषि समन्वयक सहित सभी किसान सलाहकार एवं अन्य मौजूद थे।

करवा चौथ की खु?शियां मातम में बदलीं, पति-पत्नी ने की आत्महत्या

जयपुर। करवा चौथ की खुशियां एक परिवार के लिए मातम में बदल गई। जब मामूली कहासुनी के बाद पति-पत्नी दोनों ने आत्महत्या कर ली। यह घटना जयपुर के हरमाड़ा थाना क्षेत्र के नांगल सिरस गांव की है, जहां में करवा चौथ की रात 38 वर्षीय घनश्याम बुनकर और उसकी 35 वर्षीय पत्नी मोनिका उर्फ मोना ने आत्महत्या कर ली। सूत्रों के मुताबिक करवा चौथ पर घनश्याम देर रात घर लौटा, जिससे दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्से में आकर मोनिका रात करीब 12:30 बजे घर से बाहर निकल गई। घनश्याम भी उसे रोकने के लिए पीछे-पीछे गया। जब वे जयरामपुरा पुलिया के पास पहुंचे तो मोनिका ने रेलवे ट्रैक पर छलांग लगा दी। ट्रेन से टकराने के बाद मोनिका के शरीर के टुकड़े-टुकड़े हो गए। पत्नी की मौत से दुखी घनश्याम खुद को संभाल नहीं सका और घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

भाई को किया मैसेज, मांगी माफी- एसएचओ उदयभान ने बताया कि पति-पत्नी के बीच घर देर से लौटने को लेकर झगड़ा हुआ था, इसके बाद मोनिका ने आत्मघाती कदम उठाया, जबकि घनश्याम इस दुख को सहन नहीं कर सका। इससे पहले, घनश्याम ने अपने भाई को एक वॉट्सऐप मैसेज भेजा था, जिसमें उसने अपनी हार की बात कही और माफी मांगी, साथ ही अपने परिवार की देखभाल करने की अपील की। पुलिस ने दोनों के शवों को कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में भेज दिया और पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नर्मदा नदी के किनारे अवैध निर्माण हटाएगी मोहन सरकार

भोपाल। प्रदेश सहित देश की जीवन दायिनी नर्मदा नदी के किनारों का सेटेलाईट और ड्रोन से कैचमेंट सर्वेक्षण होगा। मोहन सरकार इसकी निगरानी भी कराएगी। नर्मदा और उसकी सहायक नदियों का सीमांकन होगा। जहां अतिक्रमण हैं, वहां से अवैध निर्माण हटाए जाएंगे। साथ ही नर्मदा की सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने का काम होगा। नर्मदा किनारे बसे धार्मिक स्थलों, अमरकंटक और ओंकारेश्वर को सेटेलाईट सिटी के रूप में विकसित करने योजना तैयार होगी। नर्मदा के किनारे बड़ी बिल्डिंग के निर्माण नहीं हो सकते है। इस काम का रिव्यू नवंबर के दूसरे सप्ताह में होगा। इसके लिए 11 विभागों की जिम्मेदारी तय की गई है। मोहन सरकार ने सितंबर में इस लेकर मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में फैसला किया था। इस समिति में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के अलावा डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहाद पटेल, परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह, पीएचई मंत्री संपतिया उइके और वन मंत्री राम निवास रावत शामिल हैं।

गांदरबल में हुए आतंकी हमले की जांच करेगी एनआईए?

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। इस हमले में एक डॉक्टर समेत 6 प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई थी। सूत्रों के अनुसार टीआरएफ का चीफ शेख सज्जाद गुल इस हमले का मास्टरमाइंड है। गुल के कहने पर ही यह हमला किया गया। इस बीच एनआईए की चार सदस्यीय टीम सोमवार को घटनास्थल का दौरा किया। बताया जा रहा है कि एनआईए को इस हमले की जांच सौंपी गई है। यह पहली बार है जब कश्मीरियों और गैर-कश्मीरियों को एकसाथ निशाना बनाया गया है। मालूम हो कि सीनियर पत्रकार शुजात बुखारी की हत्या में भी टीआरएफ का ही नाम आया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल तीन लोगों की पहचान की थी। हमले में शामिल दो लोग साउथ कश्मीर के रहने वाले और तीसरा पाकिस्तानी नागरिक था। टीआरएफ का गठन शेख सज्जाद गुल ने साल 2019 में किया। हालांकि, इस संगठन अस्तित्व में लाने की साजिश सीमा पार से चल रही थी। टीआरएफ लंबे समय से कश्मीर में सक्रिय है जिसके गुर्गों ने कश्मीरी पंडितों और बाहरियों को टारगेट किया है।

हिंदुत्व शब्द को बदलने की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुत्व शब्द को भारतीय संविधानत्व शब्द से बदलने की याचिका खारिज कर दी है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेपी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने सुनवाई के दौरान याचिका को प्रक्रिया का दुरुपयोग करार दिया। याचिका दिल्ली के विकासपुरी निवासी एसएन कुंद्रा ने दायर की थी, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि हिंदुत्व शब्द की जगह भारतीय संविधानत्व शब्द का इस्तेमाल किया जाए। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने यह कहते हुए याचिका खारिज दी कि इस तरह के मामलों को आगे बढ़ाना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा और यह कोर्ट के समय और संसाधनों का अनुचित उपयोग है। कोर्ट ने कहा कि हम इस याचिका को स्वीकार नहीं करेंगे। यह याचिका प्रक्रिया का दुरुपयोग है और इसे आगे बढ़ाने का कोई आधार नहीं है। कोर्ट के इस फैसले के साथ ही यह मामला खत्म हो गया है।

बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र, चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना

नई दिल्ली। अंडमान सागर के ऊपर चक्रवाती दबाव सोमवार को निम्न दबाव वाले क्षेत्र में बदल गया और इसके 23 अक्टूबर तक तूफान में बदलने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि रविवार को उत्तरी अंडमान सागर और उससे सटे बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने चक्रवाती दबाव ने पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी अंडमान सागर के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना दिया है। विभाग ने कहा कि इसके पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने और 22 अक्टूबर की सुबह तीव्र होकर दबाव के रूप में परिवर्तित होने और 23 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान में बदलने की पूरी संभावना है।

महाराष्ट्र में महारार: कांग्रेस और उद्धव सेना में सीटों पर भारी तकरार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में केवल एक महीने का वक्त बचा हुआ है। मतलब 20 नवंबर को मतदान होना है और विपक्षी गठबंधन एमवीए ने अभी तक सीट शेयरिंग फॉर्मूला पेश नहीं किया है। खबरें ये भी हैं कि कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के बीच तनातनी ज्यादा चल रही है। दोनों ही दलों के दिग्गज दिग्गज नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) चीफ शरद पवार के द्वार पहुंचे हैं। राज्य में 20 नवंबर को मतदान होगा। रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एआईसीसी की चुनाव और स्क्रीनिंग कमेटी की बैठकें होना थीं, लेकिन सीट शेयरिंग में सहमति नहीं बनने के चलते ये रद्द हो गईं। कहा जा रहा है कि समितियां अगले 1-2 दिनों में फिर मीटिंग कर सकती हैं। इधर, शनिवार को एमवीए में सीट शेयरिंग पर दोबारा बातचीत शुरू हो गई थी।

खबर है कि शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे और एमएलसी अनिल परब ने भी सीनियर पवार से मुलाकात की है। पदाधिकारियों का कहना है कि मीटिंग घोषणापत्र के चलते की गई थी, लेकिन राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सीट पर छिड़ी रार अभी पूरी तरह शांत नहीं हुई है। यह खासतौर से शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के बीच जारी है। रविवार के उद्धव ठाकरे ने भी मातोश्री में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक ली। कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने कहा कि अगर सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनती है, तो पार्टी किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने भी कहा है कि राजनीति में कुछ भी हो सकता है। शनिवार को ही कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्नीथला ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्ध ठाकरे और पवार से मुलाकात की थी। एआईसीसी की तरफ से भी सीडब्ल्यूसी के सदस्य नसीम खान को स्थिति संभालने के लिए मैदान में उतारा गया है। उन्होंने अखबार को बताया, विवादित सीटों को लेकर शरद पवार से मेरी छोटी सी मुलाकात हुई है। एमवीए के सूत्रधार होने के नाते उन्होंने उद्धव ठाकरे और संजय राउत दोनों से मुलाकात की है। मुझे भरोसा है कि शरद पवार के हस्तक्षेप के बाद विवाद सुलझ जाएगा।रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस के पदाधिकारी ने शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) को लेकर कहा, उनकी मांग वास्तविक नहीं हैं। वे ऐसी सीटों की मांग कर रहे हैं, जहां उनकी मौजूदगी लगभग शून्य है।

राष्ट्रपति के हाथों जल संरक्षण में केरल और छत्तीसगढ़ को मिला पुरस्कार

नई दिल्ली। 22 अक्टूबर को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू जल संरक्षण के लिए जल अवार्ड का प्रथम पुरस्कार केरल को तथा द्वितीय पुरस्कार छत्तीसगढ़ को समारोह में देंगी। केरल के तिरुवनंतपुरम जिले के पल्लमपारा गांव जो कि लगभग 26 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।यहां के ग्रामवासियों ने 12 किलोमीटर दूर वामन पुरम नदी तक गांव के पर्यावरण और जल संरक्षण के लिए संयुक्त प्रयास किया। हरित कर्म सेना बनाई गई। इस सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा जल स्रोत में कचरा डालने से रोका गया। सफाई के लिए विशेष इंतजाम किए गए। बारिश का पानी रोकने के लिए छोटे-छोटे बांध बनाए गए। उनके आसपास वृक्षारोपण किया गया। मनरेगा के तहत पुराने तालाबों और कुओं की साफ सफाई की गई। 600 नए तालाब खोदे गए। जिसके कारण इस क्षेत्र की स्थिति बिल्कुल बदल गई है। 910 हेक्टेयर क्षेत्र में वाटरशेड परियोजना चलाई जा रही है।सारा गांव हरा भरा हो गया है। पेयजल भी स्थानीय निवासियों को आसानी से मिल रहा है। इसे जल अवार्ड का प्रथम पुरस्कार मिला है। द्वितीय पुरस्कार छत्तीसगढ़ के मासूलपानी गांव को प्राप्त हुआ है। गांव से लगे हुए पहाड़ से जो पानी आता है उसे गांव में ही रोका गया। इसके लिए चोटी से घाटी तक पानी को रोकने के लिए चेक डैम बनाए गए। मनरेगा के अंतर्गत 277 छोटी-छोटी कृषि डवरियाँ तैयार की गई। 50 सोलर पंप लगाकर किसानों की 125 एकड़ भूमि को सिंचित बनाया गया। गांव के लोग पानी की कमी के कारण मजदूरी करने के लिए गांव से बाहर जाते थे। अब उन्हें गांव पर ही काम मिलने लगा है। अब यह गांव आसपास के लोगों को भी रोजगार दे रहा है।

डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए जम्मू कश्मीर के युवाओं को बनाया जा रहा आतंकी

श्रीनगर। संयुक्त राष्ट्र ने बार-बार भर्ती और हिंसा भड़काने सहित विभिन्न नापाक उद्देश्यों के लिए प्रचार का लाभ उठाने में आतंकवादी समूहों के प्रभाव को रेखांकित किया है। इन चुनौतियों के जवाब में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 2017 के संकल्प 2354 (व्यापक अंतरराष्ट्रीय रूपरेखा) को अपनाया था। इसके बाद भी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और विभिन्न आतंकी समूह जम्मू-कश्मीर में दहशतगर्दों की भर्ती बढ़ाने के लिए अब डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग कर रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि सुरक्षाबलों की कड़ी नाकेबंदी के कारण उनके लिए युवाओं से सीधे संपर्क करना मुश्किल होता जा रहा है। ये समूह अब मुख्य रूप से एक्स (पुराना नाम ट्विटर), फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मैसेजिंग एप का इस्तेमाल कर भावनात्मक रूप से कमजोर युवाओं को लक्षित कर रहे हैं। आईएसआई और आतंकी समूह पहचान छिपाने के लिए फर्जी प्रोफाइल और वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल कर रहे हैं। वांछित युवाओं की पहचान होते ही उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने निजी ग्रुपों में शामिल कर लेते हैं। इन ग्रुपों में युवाओं को बरगलाने के लिए उन्हें सुरक्षा बलों के अत्याचारों को दर्शाने वाले मनगढ़ंत वीडियो सहित फर्जी तरीके से बनाई गई इसी तरह की सामग्री भेजी जाती है। यह रणनीति आईएसआई से जुड़े संचालकों की ओर से नफरत फैलाने और भर्ती के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने के लिए अपनाई जाती है।

रुसी सेना में जबरन भर्ती 20 भारतीयों की रिहाई जल्द संभव

-करीब 85 भारतीयों को रिहा किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कजान यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली द्वारा मॉस्को के समक्ष मामला उठाए जाने के बाद से करीब 85 भारतीय जिन्हें रूसी सेना में धोखे से भर्ती किया गया था, उन्हें रिहा कर दिया गया है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि रूसी सेना से अभी भी 20 भारतीयों को रिहा किया जाना बाकी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि शेष भारतीयों की जल्द रिहाई के लिए कोशिश के बारे में बताया हैं। इसके अलावा भारतीय विदेश सचिव मिसरी ने कहा कि भारत और चीन सोमवार को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त करने के लिए एक समझौते पर पहुँचे। यह समझौता लद्दाख सेक्टर के देपसांग और डेमचोक इलाकों में गश्त से संबंधित है। एलएसी पर गश्त पर समझौते पर विदेश सचिव मिस्री ने कहा, पिछले कई हफ्तों में हुई चर्चाओं के परिणामस्वरूप भारत-चीन सीमा क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त व्यवस्था पर सहमति बन गई है और इससे 2020 में इन क्षेत्रों में उत्पन्न हुए मुद्दों का समाधान हो रहा है। विदेश सचिव मिस्री ने बताया कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में संस्थापक सदस्यों के साथ-साथ नए सदस्य भी भाग लेने वाले है। शिखर सम्मेलन 22 अक्टूबर को शुरू होगा और पहले दिन शाम को नेताओं के लिए रात्रिभोज होगा। शिखर सम्मेलन का मुख्य दिन 23 अक्टूबर है, जो दो सत्रों में होगा। सुबह एक बंद पूर्ण सत्र और उसके बाद दोपहर में एक खुला पूर्ण सत्र जो शिखर सम्मेलन के मुख्य विषय पर समर्पित होगा। शिखर सम्मेलन 24 अक्टूबर को समाप्त होगा लेकिन प्रधानमंत्री स्वदेश में महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताओं के कारण 23 अक्टूबर को नई दिल्ली लौटने की उम्मीद है।

सीजेआई पर विवादित बयान दे फंसे राम गोपाल यादव... विवाद बढ़ने पर मारी पलटी

-अखिलेश यादव को चाचा की आपत्तिजनक टिप्पणी के बारे में जानकारी नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी सांसद राम गोपाल यादव ने तब बड़ा विवाद खड़ा कर दिया जब उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ को कैमरे पर गाली दी। दरअसल राम गोपाल यादव से अयोध्या विवाद के संदर्भ में की गई टिप्पणी भगवान से प्रार्थना के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछा गया था। हालांकि, आलोचनाओं का सामना करने के बाद, सपा नेता यादव ने यह कहकर अपना बयान वापस ले लिया कि किसी ने भी उनसे सीजेआई के बारे में कुछ नहीं पूछा था। सपा नेता यादव ने कहा मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। जब आप भूतों को जीवित करते हैं, जब आप मृतकों को जीवित करते हैं, तब वे भूत बन जाते हैं और न्याय का पालन करना शुरू कर देते हैं। वे अब कहां हैं?... भूल जाइए, इसतरह सभी घटिया लोग ऐसी बातें कहते रहते हैं। क्या मुझे उन पर ध्यान देना चाहिए?

बाद में, जब सपा नेता यादव ने आपत्तिजनक टिप्पणी के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया, तब उन्होंने ऐसा कोई बयान देने से इंकार कर तर्क दिया कि उन्हें बहराइच हिंसा पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा, किसी ने मुझसे सीजेआई के बारे में कुछ नहीं पूछा। सीजेआई बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। मैंने कभी (उन पर) कोई टिप्पणी नहीं की। मुझसे बहराइच (हिंसा) के बारे में पूछा गया और मैंने उसका जवाब दिया। विवाद पर प्रतिक्रिया देकर पूर्व सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें अपने चाचा द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बारे में जानकारी नहीं है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्होंने फैसला सुनाने से पहले राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए प्रार्थना की थी।

अयोध्या मामले पर 3 माह तक विचार-विमर्श करने के अपने समय को याद कर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, अक्सर हमारे पास मामले (निर्णय के लिए) होते हैं, लेकिन हम समाधान पर नहीं पहुंचते। अयोध्या (राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद) के दौरान भी कुछऐसा ही हुआ था, जो 3 महीने तक मेरे सामने था।

बाते दें कि राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद लंबे समय से कानूनी और राजनीतिक मुद्दा रहा है कि क्या 16वीं सदी की मुगल मस्जिद उस जगह पर मंदिर को ध्वस्त करने के बाद बनाई गई थी, जिसे भगवान राम का जन्मस्थान बताया जाता है।

केंद्र की योजनाओं पर नजर रखेंगे शिवराज

-पीएम मोदी ने योजनाओं और बजट घोषणाओं के तेज क्रियान्वयन के लिए निगरानी समूह बनाया

-पहली बैठक में सभी प्रमुख सचिवों ने लिया था भाग

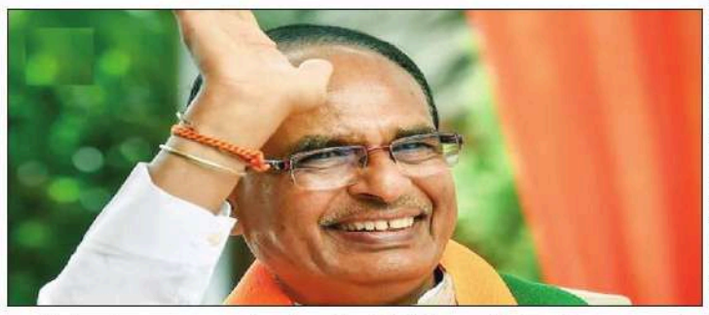

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार की योजनाओं और बजट घोषणाओं के तेज कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में एक विशेष निगरानी समूह का गठन किया है। केंद्र की सभी योजनाओं पर नजर रखने जैसी अहम जिम्मेदारी शिवराज को पीएमओ ने सौंपी है, जिससे उनका कद राजनीतिक गलियारे में भी और बढ़ गया है। बताते चलें कि निगरानी समूह की पहली बैठक 18 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में आयोजित की गई थी, जिसमें सभी प्रमुख सचिवों ने भाग लिया था।

पीएमओ ने एक जानकारी में बताया है कि इस निगरानी समूह का उद्देश्य 2014 से अब तक घोषित सभी योजनाओं, बजट घोषणाओं और अधीनस्थ कानूनों की प्रगति पर नजर रखना है, ताकि उन्हें समय पर और प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। समूह हर महीने पीएमओ में बैठक करेगा और योजनाओं की समीक्षा करेगा। बैठक में अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव भी शामिल होंगे, जो इन योजनाओं के नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार सरकारी योजनाओं में देरी को लेकर चिंता जाहिर कर चुके हैं, और यह कदम उनकी इसी चिंता का परिणाम बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि शिवराज की अध्यक्षता वाला यह निगरानी समूह योजनाओं की प्रगति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जिन्हें एक कुशल प्रशासक माना जाता है, अब सचिवों को पीएमओ की अपेक्षाओं से अवगत कराएंगे और किसी भी योजना के पिछड़ने या अंतर-मंत्रालयी समर्थन की आवश्यकता होने पर संबंधित मंत्रालयों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। पीएम मोदी की इस पहल से उम्मीद है कि योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आएगी, जिससे जनता को समय पर लाभ मिल सकेगा और सरकारी योजनाओं की प्रगति में सुधार आएगा।

बेंगलुरु में भारी बारिश के कारण स्कूलों में छुटटी... निचले इलाकों और सड़कों पर पानी भरा

पणजी(एजेंसी)। बेंगलुरु (ईएमएस)। बेंगलुरु में बीतें दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ और कई निचले इलाकों और सड़कों पर पानी भर गया है। बेंगलुरु के उपायुक्त (शहरी) जगदीश जी. ने भारी बारिश के बीच सोमवार को स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों को बंद रखने का आदेश दिया है।

बेंगलुरु में एक सप्ताह के भीतर भारी बारिश के कारण स्कूल बंद करने के आदेश दूसरी बार दिए गए हैं। बारिश के बीच यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए जलमग्न सड़कों से गुजरे। शहर के कई स्थानों में पेड़ गिरने के कारण वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने लिए बेंगलुरु में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। कलेक्टर ने कहा कि यह निर्णय एहतियाती उपाय और छात्रों के हित में लिया गया है। हालांकि, अन्य सभी डिग्री पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर कार्यक्रम, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग और आईटीआई खुले रहने वाले है। कॉलेजों के प्रमुखों और संबंधित व्यक्तियों को कॉलेजों में व्याख्यान आयोजित करते समय कुछ बिंदुओं पर विचार करने के लिए एक सामान्य निर्देश दिया गया है। यदि कमजोर, जीर्ण भवन हैं तो ऐसी इमारतों का उपयोग व्याख्यान के लिए नहीं किया जा सकता है। इस संबंध में, कॉलेजों के प्रमुखों को कॉलेज भवनों की अच्छी स्थिति पर ध्यान देना चाहिए और किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए उचित उपाय करने चाहिए, अधिकारियों ने कहा।

एहतियाती उपाय के रूप में, छुट्टी के कारण पढ़ाई के समय की कमी को शनिवार दोपहर या रविवार को अतिरिक्त कक्षाएं आयोजित करके पूरा किया जाता है। विद्यार्थियों के अभिभावकों, कॉलेज प्रमुखों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विद्यार्थी पानी वाले निचले इलाकों में न जाएं। विद्यार्थियों द्वारा कॉलेज आने-जाने के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

दो या दो अधिक बच्चे वाले लोग ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ सकेंगे

- आंध्र प्रदेश में घटती युवा आबादी पर सीएम चंद्रबाबू नायडू चिंतित हैं, इस ?लिए नया कानून बनाएंगे

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में घटती युवा आबादी पर सीएम चंद्रबाबू नायडू चिंतित हैं। राज्य में जनसंख्या दर को बढ़ाने के लिए उनकी सरकार नया कानून लाने की योजना बना रही है। इसके तहत आंध्र प्रदेश में दो या दो अधिक बच्चे वाले लोग ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ सकेंगे। सीएम नायडू ने कहा कि उनकी सरकार जल्द ही इस बाबत कानून बनाने की योजना बना रही है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राज्य सरकार पॉपुलेशन मैनेजमेंट को लागू करने की योजना बना रही है, जिसमें अधिक बच्चों वाले परिवारों को प्रोत्साहित करने के लिए नए कानून पर विचार किया जा रहा है। नायडू ने कहा ?कि राज्य सरकार एक ऐसा कानून लाने पर विचार कर रही है, जिसके तहत केवल दो से अधिक बच्चों वाले लोग ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के पात्र होंगे। राज्य ने पहले दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को स्थानीय चुनाव लड़ने से रोकने वाला कानून पारित किया था, लेकिन हमने उस कानून को निरस्त कर दिया है। राज्य में अधिक वाले परिवारों को अधिक लाभ प्रदान कर सकती है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में गिरती जनसंख्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा ?कि आंध्र सहित दक्षिण भारत में बुढ़ापे की समस्या के लक्षण दिखने लगे हैं। जापान, चीन और कुछ यूरोपीय राष्ट्र जैसे कई देश इस समस्या से जूझ रहे हैं, जहां बुजुर्गों की आबादी अधिक है। दक्षिण भारत में युवा लोगों के देश के अन्य हिस्सों या विदेश में पलायन करने से समस्या और भी बढ़ गई है। सीएम ने बताया कि दक्षिणी राज्यों में प्रजनन दर पहले ही 1.6 तक गिर गई है, जो राष्ट्रीय औसत 2.1 से काफी कम है। ऐसा ही चलता रहा तो 2047 तक बुजुर्गों की आबादी में जबरदस्त वृद्धि हो जाएगी, जो चिंता का विषय है। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि देश के गांव में सिर्फ बुजुर्ग लोग ही बचे हैं। युवा आबादी शहरों में चली गई है।

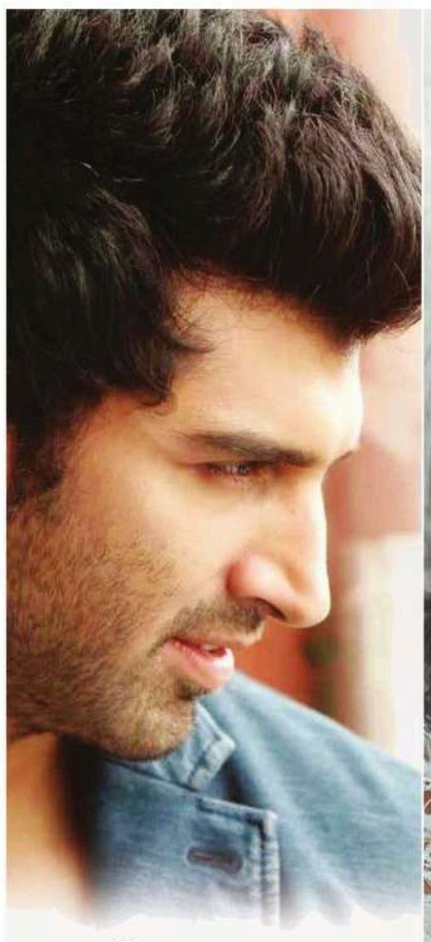

आदित्य रॉय कपूर ने रिलेशनशिप को लेकर किया खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अपनी फिल्मों के लिए कम लेकिन अपने रिलेशनशिप को लेकर लगातार चर्चा में बने रहते हैं। हाल ही में आदित्य बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर के टॉक शो व्हाट वीमेन वांट में रिलेशनशिप को लेकर कई खुलासे किए।

आदित्य का कथित तौर पर इस साल की शुरुआत में अनन्या पांडे से ब्रेकअप हो गया था। फिल्म आशिकी में उनकी भूमिका सभी को पसंद आई। हालांकि, इस फिल्म में उनके द्वारा निभाए गए परेशान आशिक के किरदार से वह खुद को संबंधित नहीं मानते।

जब शो के दौरान करीना ने पूछा कि आपकी तीन सबसे पसंदीदा खूबियां क्या हैं?, तो आदित्य ने बिना कोई देरी के कहा, मैं बहुत हैंडसम हूं, मैं आकर्षक हूं। इसके बाद करीना ने आदित्य ने पूछा कि बहुत सी महिलाएं आपके रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में जानना चाहती हैं। इस पर आदित्य ने कहा, क्या चिल करना भी कोई स्टेटस है? आगे आदित्य ने कहा, मैं चिलर हूं।

आदित्य रॉय कपूर ने अपने करियर के बारे में बात करते हुए कहा, एक फिल्म जिसने मेरे करियर की दिशा बदल दी, वह थी आशिकी। ऐसा नहीं है कि मैं उस किरदार से इसलिए जुड़ा क्योंकि वह एक शराबी था। करीना ने आदित्य से पूछा कि वह रिश्ते में घोस्टिंग से कैसे निपटते हैं। आदित्य ने कहा कि वह उस शख्स को ब्लॉक करना पसंद करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनन्या और आदित्य करीब दो साल तक साथ रहने के बाद कुछ समय पहले अलग हो चुके हैं। 2022 में, अनन्या और आदित्य के रिलेशनशिप में होने की खबरें हर जगह फैली हुई थीं, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर आर्कषित किया।

कुशाल टंडन ने की शिवांगी जोशी के साथ रिश्ते में होने की बात

अभिनेता कुशाल टंडन ने अभिनेत्री शिवांगी जोशी के साथ रिलेशनशिप को लेकर हामी भर दी है। शिवांगी और कुशाल टंडन को कई बार एक साथ देखा जाता था, लेकिन दोनों ने कभी अपने रिलेशन को लेकर हां नहीं की। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कुशाल ने शिवांगी के साथ रिश्ते में होने की बात कंफर्म की है। कुशाल ने इंटरव्यू में कहा कि दोनों इस रिश्ते में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं।

मां मुझे शादीशुदा देखना चाहती हैं

इंटरव्यू में कुशाल टंडन ने शिवांगी जोशी से शादी के बारे में पूछने के बाद ही इस बारे में बात की है। कुशाल ने कहा, मैं अभी शादी नहीं करूंगा लेकिन मैं प्यार में हूं। हम इस रिश्ते को बहुत ही धीरे-धीरे आगे ले जा रहे हैं। मेरी मां मुझे शादीशुदा देखना चाहती हैं, उनका बस चले तो मेरी आज ही शादी करवा दें।

मेरे माता-पिता ने लड़की तलाश रोक दी

कुशाल टंडन ने अपनी शादी को लेकर कहा कि शादी कब होगी अभी कंफर्म नहीं है, लेकिन कभी भी कुछ भी हो सकता है। कुशाल ने कहा, और वैसे देखा जाए तो कुछ भी हो सकता है, कभी भी। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी लेडीलव मिल गई है, हमारा मैच बिल्कुल सही है। कुशाल टंडन ने कहा कि एक अच्छी लड़की की तलाश अब मेरे माता पिता की तरफ से रोक दी गई है।

बरसातें धारावाहिक में किया था साथ में काम

शिवांगी जोशी को टीवी धारावाहिक बरसातें- मौसम प्यार का में साथ में देखा गया था। कुशाल और शिवांगी की जोड़ी को इस शो से काफी प्यार मिला था। शो बाद उनकी ऑफ स्क्रीन केमिस्ट्री ही काफी अच्छी रही। कुशाल को एक हजारों में मेरी बहना है में देखा गया था। शिवांगी जोशी को सबसे पहले ये रिश्ता क्या कहलाता है सीरियल में देखा गया था।

'अल्फा' की शूटिंग के लिए कश्मीर पहुंचीं आलिया भट्ट

आलिया भट्ट अभिनीत और यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की आगामी फिल्म 'अल्फा' बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। आलिया भट्ट इस एक्शन थ्रिलर में शरवरी के साथ मुख्य भूमिका में हैं। दोनों अभिनेत्रियां पिछले कुछ महीनों से इसकी शूटिंग कर रही हैं। हाल ही में फिल्म का नया शेड्यूल जारी हुआ और अभिनेत्री एक बार फिर कश्मीर लौटी हैं। कश्मीर से अभिनेत्री की कुछ अनदेखी तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में आलिया अपनी प्राकृतिक सुंदरता बिखेरती हुई नजर आ रही हैं। 18 अक्टूबर, 2024 को, कश्मीर में आलिया भट्ट की मेजबानी करने वाले होटल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेत्री की शानदार तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में आलिया नेवी ब्लू पैंट के साथ एक सफेद कार्डिगन पहने हुए दिखाई दे रही थीं, जिसके साथ उन्होंने गले में एक सफेद मफलर पहना हुआ था। उन्होंने बिना मेकअप के लुक अपनाया और एक हाथ में हैंडबैग पकड़े हुए अपने बालों को बन में स्टाइल किया है। तस्वीर में एक और व्यक्ति उन्हें एक एंटीक चीज भेंट करते हुए दिखाई दे रहा है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, 'आलिया भट्ट, आपकी मेजबानी करना खुशी की बात थी! आपकी उपस्थिति ने कश्मीर की सुंदरता में एक अतिरिक्त चमक ला दी। हम आपकी अगली यात्रा का इंतजार कर रहे हैं।' अगस्त की शुरुआत में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ कश्मीर में शूटिंग कर रही थीं, जहां दोनों ने अपने इंस्टाग्राम पर एक दिल को छू लेने वाली तस्वीर शेयर की थी। वह दोनों एक नदी के पास एक खूबसूरत जगह पर कैमरे से दूर सर्दियों की जैकेट पहने हुए, एक-दूसरे को गले लगाते हुए नजर आई थीं। उन्होंने पोज देते हुए अपने हाथों से दिल का आकार बनाया। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, 'लव, अल्फा!' 'अल्फा' का निर्देशन शिव रवैल ने किया है और आदित्य चोपड़ा ने इसे प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान 25 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वहीं, आलिया संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में भी नजर आएंगी।

अपनी छवि को पीआर की बनावट कहने पर बोलीं सारा

सारा अली खान हिंदी फिल्मों की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। वह इंडस्ट्री की उन चुनिंदा स्टार किड्स में से हैं, जो अक्सर चर्चा में रहती हैं। उन्होंने कुछ फिल्मों में अपने अभिनय के लिए वाह-वाही भी बटोरी है। सारा ने साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म केदारनाथ से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद से अब तक अपने छह साल के अभिनय करियर में वह फिल्मों के अलावा उनके मस्तीभरे व्यवहार और फैशन सेंस की वजह से भी उन्होंने काफी चर्चा बटोरी है। उनकी एक खास छवि बनी है, जिसे लेकर कई बार कहा जाता है कि ये उनकी पीआर टीम के द्वारा बनाई गई है।

सारा, बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और मशहूर अभिनेत्री अमृता सिंह की बेटी हैं। इस वजह से कई बार वो ट्रोलर्स के निशाने पर भी होती हैं, जो उन्हें नेपोटिज्म को लेकर ट्रोल करते हैं। हालांकि, हार्पर बाजार से बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने खुद का बचाव करते हुए अपनी छवि को लेकर कही जा रही बातों पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी छवि कुछ भी हो सकती है, लेकिन ये पीआर द्वारा बनाई गई नहीं है।

इस बातचीत के दौरान उनसे पूछा गया कि क्या ये एक सोचा-समझा फैसला था कि उन्हें काफी समान दिखाया जाए। इस पर जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी खास तरह की छवि बनाने की कोई कोशिश नहीं की है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैंने कुछ लोगों की निराशा के लिए, खुद की छवि बनाने में कोई ऊर्जा खर्च की है। यह कुछ ऐसा है, जो मैं कैमरे के लिए करूंगी, जहां मैं किरदारों का निर्माण करती हूं। असल जिंदगी में मैं बस वही हूं, जो मैं हूं, फिर चाहे वो पांच जोड़ी शॉर्ट्स पहनकर जिम जाने वाली लड़की हो या एथलीजर पहनकर एयरपोर्ट जाने वाली।

सारा ने इस दौरान अपने बचपन को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका और उनके भाई इब्राहिम अली खान का पालन-पोषण लोगों की अपेक्षा से अलग तरीके से हुआ। उन्होंने कहा कि मां अमृता के साथ उनका बचपन सामान्य जीवन की तरह गुजरा। अभिनेत्री ने कहा,हम वीडियो गेम खेलने या फूड कोर्ट में खाने के लिए मॉल जाते थे। यही वह जीवन है, जिसकी मैं बड़ी होकर आदी हो गई थी। आज, मैं अपने काम की सराहना करती हूं, लेकिन जब मैं काम नहीं कर रही होती हूं, तो जिम, कैफे, यात्रा करना पसंद करती हूं।मैं बस अपने व्यक्तित्व को बहुत गंभीरता से नहीं लेती और मैं वही करती हूं, जो मुझे अच्छा लगता है।

बता दें कि सारा आखिरी बार नेटफ्लिक्स की फिल्म मर्डर मुबारक और ऐ वतन मेरे वतन में नजर आई थीं। ऐ वतन मेरे वतन में उनके अभिनय को फैंस ने काफी पसंद भी किया। इन दिनों सारा अपनी आगामी फिल्म मेट्रो इन दिनों, स्काई फोर्स और ईगल को लेकर व्यस्त हैं।

दिनेश विजान की फिल्म में नजर आ सकते हैं सिद्धार्थ-कियारा

एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने साल 2023 की शुरुआत में शादी कर ली थी। दोनों ने इससे पहले साल 2021 में आई सुपरहिट फिल्म 'शेरशाह' में साथ काम किया था। इसके बाद वे किसी भी फिल्म में साथ नहीं दिखे। हालांकि अब लगता है कि यह जोड़ी एक बार फिर से पर्दे पर दिख सकती है। इस फिल्म को लेकर जानकारी सामने आई है। फिल्म दिनेश विजान की प्रोडक्शन कंपनी मैडॉक फिल्म्स बनाने वाली है। ये वही कंपनी है, जिसने 'स्त्री 2' बनाई है, जिसने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ रुपए से ज्यादा का बिजनेस कर लिया। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट की मानें तो सिद्धार्थ और कियारा ने इस फिल्म के लिए मैडॉक फिल्म्स के साथ बातचीत शुरू कर दी है। ये एक टिपिकल बॉलीवुड लव स्टोरी नहीं होगी। इस फिल्म में रोमांस के साथ फैंटेसी एलिमेंट्स का भी तड़का लगाया जाएगा, जो इसे बाकियों से अलग बनाएगा। हालांकि फिल्म के प्लॉट को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली। मैडॉक ऑडियंस के लिए एक फ्रेश और इंटरेस्टिंग फिल्म बना रही है। 'शेरशाह' की बात करें तो विष्णुवर्धन के डायरेक्शन में बनी फिल्म कारगिल वॉर के हीरो भारतीय सेना अधिकारी कैप्टन विक्रम बत्रा पर बेस्ड थी। फिल्म करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी थी।

कार्तिक आर्यन की सफलता में इनकी है अहम भूमिका

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर काफी चर्चा में हैं। उनके फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इंडस्ट्री में बाहर से आकर अपने लिए एक मुकाम बनाना किसी भी कलाकार का एक सपना होता है, जिसे कार्तिक ने अपनी मेहनत और लगन से पूरा किया है। हालांकि, कार्तिक ने अपनी इस सफलता में अहम भूमिका निभाने का श्रेय दो अन्य लोगों को दिया है। ये दो लोग कोई और नहीं हैं, बल्कि अभिनेता ने अपनी मां और अपनी बहन को अपनी सफलता में अहम भूमिका निभाने का श्रेय दिया है। कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 का जोर-शोर से प्रमोशन कर रहे हैं। हाल में ही वह प्रमोशन के लिए इंदौर में थे, जहां अभिनेता से उनकी सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले लोगों को लेकर सवाल पूछा गया है। इसके जवाब में कार्तिक ने बिना देरी करते हुए अपनी मां और बहन का नाम लिया। अभिनेता ने कहा,मेरे मामले में, यह मेरी मां और बहन हैं। इस बातचीत के दौरान भूल भुलैया 3 अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म को लेकर कई संकेत भी दिए, जिससे ये साफ होता है कि इस बार फिल्म काफी डरावनी और मजेदार होने वाली है। कार्तिक ने कहा, ऐसी कई चीजें हैं, जो इस किस्त को पिछले दो से अलग बनाती हैं। इस नए किस्त में, दर्शकों को और भी ज्यादा डरावनी चीजें देखने को मिलेंगी। दिग्गज अभिनेत्रियां विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी तीसरे भाग का हिस्सा होंगी - सिर्फ उनके नाम ही फिल्म में चार चांद लगा देते हैं। कार्तिक आर्यन ने इस बातचीत के दौरान अपनी फिल्मी सफर को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका सफर काफी चढ़ाव-उतार वाला रहा। इस दौरान अभिनेता ने इस बात पर जोर दिया कि संघर्षों पर काबू पाना किसी के लिए भी अपना रास्ता बनाने के लिए काफी जरूरी है। उन्होंने अपनी पहली फिल्म, प्यार का पंचनामा से शुरु हुए अपने सफर को याद करते हुए कहा कि सोनू के टीटू की स्वीटी से उनके करियर में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया और फिर लोग उन्हें पहचानने लगे। अभिनेता ने इस दौरान आगे कहा कि इस फिल्म में भूल भुलैया 2 की भी कुछ चीजें शामिल की जाएंगी। हालांकि, उन्होंने साफ करते हुए कहा कि फिल्म की कहानी बिलकुल नई होने वाली है, जिसमें कई अप्रत्याशित मोड़ और उतार-चढ़ाव देखने को मिलने वाले हैं।

मुन्नाभाई 3 लेकर आएंगे राजकुमार हिरानी

राजकुमार हिरानी की मुन्नाभाई फ्रेंचाइजी के प्रशंसक वर्षों से इसके तीसरे भाग की मांग कर रहे हैं। हिरानी और संजय दत्त दोनों ही अपनी अन्य व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं को पूरी करने में व्यस्त हैं। हालांकि, हिरानी की इच्छा सूची में सबसे ऊपर मुन्नाभाई 3 का नाम है। राजकुमार हिरानी ने हाल ही में कहा कि उनके पास फिल्म की पांच आधी-अधूरी स्क्रिप्ट है। हिरानी ने कहा, मैंने एक स्क्रिप्ट पर छह महीने बिताए, इंटरवल तक पहुंचा, और यह उससे आगे नहीं बढ़ पाया। उन्होंने कहा, सबसे महत्वपूर्ण कारक यह है कि अगली किस्त पिछली फिल्मों से बेहतर होनी चाहिए।

मेहंदी से बाल हो गए हैं ड्राई तो आप भी ट्राई कर सकती हैं ये होममेड हेयर मास्क

आमतौर पर लोग सफेद बालों को कलर करने के लिए मेहंदी का इस्तेमाल करते हैं। मेहंदी के इस्तेमाल से बालों को अच्छा कलर तो मिल जाता है और कुछ दिनों के लिए बालों के सफेद दिखने की समस्या भी कम हो जाती है। लेकिन कई बार मेहंदी लगाने के बाद बाल ड्राई होने लगते हैं और ड्राई बाल मुख्य रूप से हेयर फॉल का कारण भी बनते हैं। अक्सर मेहंदी अप्लाई करते समय हम कुछ गलतियां करते हैं जिसकी वजह से बाल ज्यादा ड्राई हो जाते हैं। जैसे मेहंदी से पहले बालों में तेल न लगाना और रूखे बालों में ही मेहंदी लगाना।

जब हम रूखे बालों में ही मेहंदी का इस्तेमाल करने लगते हैं तो मेहंदी लगाने के बाद बाल और ज्यादा रूखे और बेजान हो जाते हैं। अगर आपके बाल भी मेहंदी के बाद ज्यादा ड्राई हो जाते हैं तो आप इनकी ड्राइनेस कम करने के लिए बालों में कुछ होममेड हेयर मास्क अप्लाई कर सकती हैं। ये हेयर मास्क वैसे तो पूरे तरह से प्राकृतिक हैं और इनका बालों में कोई भी साइड इफेक्ट नहीं है लेकिन बालों में ये हेयर मास्क अप्लाई करने से पहले आप विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें क्योंकि सभी के बालों का प्रकार अलग होता है और किसी भी सामग्री का असर आपके बालों पर अलग तरीके से हो सकता है।

बालों में मेहंदी लगाने के बाद इन बातों का रखें ध्यान

यदि आप बालों में मेहंदी अप्लाई करती हैं तो आपको सबसे ज्यादा ध्यान में रखने वाली बात ये है कि मेहंदी लगाने से पहले किसी भी ऑयल जैसे जैतून या नारियल के तेल का इस्तेमाल करें।

ब्राउन शुगर और ऑलिव ऑयल हेयर मास्क

ब्राउन शुगर बालों के लिए एक बेहतरीन एक्सफोलिएंट है जो आपके स्कैल्प से उन मृत त्वचा कोशिकाओं और किसी भी बचे हुए अवशेष के निर्माण से छुटकारा पाने में मदद करता है। वहीं जैतून का तेल हमेशा सूखे बालों के इलाज के लिए प्राकृतिक कंडीशनर के रूप में उपयोग किया जाता है। यह बालों को नमी प्रदान करके बालों की ड्राइनेस को कम करने में मदद करता है।

आवश्यक सामग्री

शुगर – 2 बड़े चम्मच
जैतून का तेल– 1 बड़ा चम्मच

हेयर मास्क बनाने और इस्तेमाल का तरीका

- एक बाउल में चीनी और तेल को एक साथ मिलाकर हेयर मास्क तैयार करें।
- इस हेयर मास्क को अपने बालों में ऊपर से नीचे तक लगाएं।
- हेयर मास्क को अपने बालों पर 15–20 मिनट के लिए लगा रहने दें।
- बालों को शॉवर कैप से ढककर रखें।
- 15 –20 मिनट के बाद बालों को अच्छी तरह से शैम्पू करें और शैम्पू के बाद बालों में कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें।

मेहंदी बालों से हटाने के तुरंत बाद शैम्पू न करें बल्कि कम से कम 12 घंटे बाद ही बालों को शैम्पू करें। शैम्पू के बाद आप कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें, क्योंकि मेहंदी बालों को ड्राई कर सकती है।

बालों में मेहंदी के बाद होममेड हेयर मास्क क्यों जरूरी है

यदि आप मेहंदी से ड्राई हो चुके बालों में होममेड हेयर मास्क अप्लाई करती हैं तो ये 20 मिनट से भी कम समय में आपके बालों को ढेर सारे लाभ प्रदान करने में मदद करता है। हेयर मास्क आपके बालों को मुलायम और हाइड्रेटिंग बनाने के साथ बालों की ग्रोथ को बढ़ावा देने, बालों में चमक जोड़ने और यहां तक कि बालों के झड़ने को कम करने में भी मदद करते हैं। आइए जानें मेहंदी का बालों में इस्तेमाल करने के बाद आप कौन से हेयर मास्क का इस्तेमाल अपने बालों में कर सकते हैं।

नारियल तेल का हेयर मास्क

नारियल तेल बालों की ड्राइनेस को कम करने में मदद करता है और मेहंदी से ड्राई हो चुके बालों को भी शाइन प्रदान करने में मदद करता है।

आवश्यक सामग्री

शहद – 1 बड़ा चम्मच
नारियल तेल – 1 बड़ा चम्मच

बनाने और इस्तेमाल का तरीका

- एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच नारियल का तेल और 1 बड़ा चम्मच शहद डालकर आपस में अच्छी तरह से मिलाएं।
- मिश्रण को एक बर्तन में निकाल लें और इसे गर्म करें ताकि शहद और नारियल का तेल एक दूसरे में अच्छी तरह से मिक्स हो जाए।
- मिश्रण को वापस बाउल में डालें और ठंडा होने दें। फिर, अपने बालों पर ऊपर से नीचे तक मास्क लगाएं और अपने पूरे बालों पर पूरी तरह से अप्लाई करें। यदि आपकी जड़ें आमतौर पर काफी ऑयली हैं, तो केवल मध्य लंबाई से नीचे तक मास्क लगाएं।
- बची हुई नमी को बनाए रखने के लिए शॉवर कैप लगाएं।
- 20 मिनट के बाद अपने बालों को गर्म पानी से धो लें और हमेशा की तरह शैम्पू और कंडीशनर करें।
- अगर आपके बाल मेहंदी लगाने के बाद रूखे हो गए हैं तो आपको बालों की ज्यादा देखभाल करने की जरूरत है। इसके लिए यहां बताए हेयर मास्क अप्लाई करें। लेकिन इन मास्क का इस्तेमाल करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

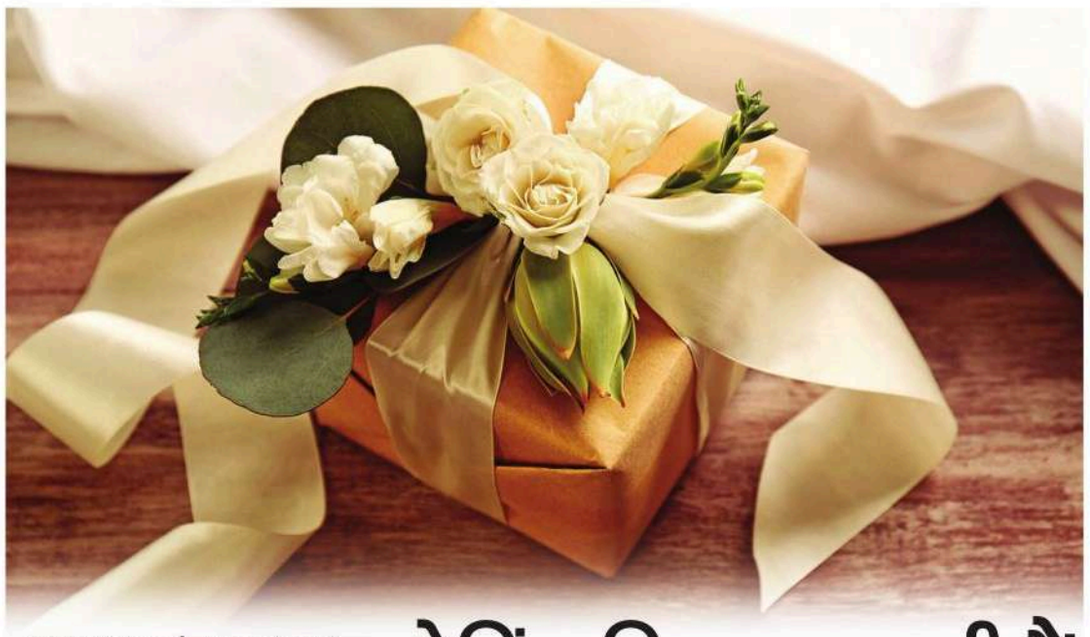

वेडिंग गिफ्ट जा रही हैं खरीदने तो इन जरूरी बातों को रखें खास ख्याल

शादियों का सीजन शुरू हो गया है, ऐसे में सिर्फ कपड़े–गहने ही नहीं बल्कि गिफ्ट की भी खरीदारी शुरू हो जाती हैं। खासकर अगर शादी घर के किसी सदस्य की हो तो इस बात को सोचना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है कि आखिर गिफ्ट में दूल्हा और दुल्हन को क्या दिया जाए? बता दें कि इंडियन वेडिंग में महंगे तोहफे देने का रिवाज काफी पुराना है, लेकिन अब समय काफी बदल गया है, ऐसे में बजट के साथ–साथ जरूरत का ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

वहीं कुछ लोग वेडिंग गिफ्ट खरीदारी में समय अधिक चला जाता है। दरअसल, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि लोग गिफ्ट को लेकर काफी कंफ्यूजन रहते हैं, ऐसे में हम पहले डिसाइड कर लें, तो पैसे और समय दोनों को बचाया जा सकता है। इसलिए वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी करते वक्त कुछ बातों का ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

वेडिंग गिफ्ट सेलेक्शन

वेडिंग गिफ्ट में क्या दें, यह सबसे बड़ा सवाल होता है। आप इसे बारे में दूल्हा या फिर दुल्हन से सवाल भी नहीं कर सकते हैं। इसके अलावा दूसरों से पूछने पर वो अलग से आपको आइडिया दे सकते हैं। इस तरह कंफ्यूजन काफी बढ़ जाता है, इसलिए बेहतर है कि आप खुद तय करें कि शादी के बाद दूल्हा और दुल्हन को किन चीजों को जरूरत अधिक पड़ती है। उसे ध्यान में रखते हुए गिफ्ट की खरीदारी करें। इसके अलावा गिफ्ट इस उम्मीद से ना दें, आपको वापस मिल सकता है। गिफ्ट अच्छा और जरूरत को ध्यान में रखकर दें।

कैश रजिस्टरी का ऑप्शन चुने

वेडिंग गिफ्ट के तौर पर कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी से पहले आप चाहें तो कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। दरअसल, आज कल डेस्टिनेशन का ट्रेंड चल पड़ा है। ऐसे में साथ में गिफ्ट ले जाना काफी ओल्ड फैशन हो सकता है। आप चाहें तो कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। कैश रजिस्ट्री कराने से न्यूली मैरिड कपल अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार चीजें खरीद सकती हैं। वहीं कपल भी चाहें तो इस कैश को आने वाले समय के लिए सेव भी कर सकते हैं।

खरीदारी से पहले बजट सेट करें

वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी से पहले बजट तय कर लें। दरअसल, कई बार मार्केट में खरीदने कुछ जाते हैं और खरीदकर कुछ लाते हैं। मार्केट में चीजें की तरह–तरह होती हैं, जिसे लेकर कंफ्यूजन काफी होता है। अगर आप बजट सेट करने से आप कंफ्यूज नहीं होंगे और उतनी ही कीमत में आप गिफ्ट खरीदकर लाएंगे। इस तरह आप फिजूलखर्ची से भी बच सकती हैं।

ऑफलाइन और ऑनलाइन चेक करें

कई बार हम वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी आखिरी समय में करते हैं, ऐसे में आप चाहे तो ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों का ऑप्शन चुन सकती हैं। दरअसल, घर की शादी में काफी तैयारी करनी पड़ती है।

ऑफलाइन खरीदारी में काफी समय चला जाता है, ऐसे में आप समय को बचाना चाहती हैं तो ऑनलाइन खरीद सकती हैं। वहीं अगर आप ने तय कर लिया कि आपको दूल्हा और दुल्हन को गिफ्ट में क्या देने वाली हैं तो उसे ऑनलाइन पहले चेक कर लें। इसके बाद समय है तो ऑफलाइन खरीदारी कर सकती हैं।

क्वालिटी जरूर करें चेक

अक्सर ऐसा देखा होगा कि लोग शादी के गिफ्ट के तौर पर एक नहीं कई चीजें देते हैं। हालांकि, जब बाद में उसे चेक करें तो कई चीजें खराब या फिर इस्तेमाल के योग्य नहीं होती। इससे छवि खराब होती है, इसलिए एक साथ कई सारी चीजें तोहफे में देने के बजाय एक ही चीज सेलेक्ट और उसे गिफ्ट करें। कोशिश करें कि खरीदारी करते वक्त वेडिंग गिफ्ट को अच्छी तरह चेक कर लें। उसकी क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए।

शादियों का सीजन चल रहा है और जिनकी शादी होने वाली है, उन्होंने अभी से इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। शादी की तैयारियां केवल शॉपिंग पर खत्म नहीं होती हैं, बल्कि जल्द न्यूली वेड कपल बनने की तैयारी कर रहे जोड़े अपने रूम को सजाने और संवारने के बारे में भी बातें करते हैं।

ऐसा होना चाहिए न्यूली वेड कपल का बेडरूम

दुल्हन का आगमन हजारों खुशियां लेकर आता है। हिंदू धर्म में तो दुल्हन को देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। ऐसे में देवी लक्ष्मी का गृह प्रवेश परिवार में सुख और समृद्धि लेकर आए, इसके लिए घर में जुड़ने वाली नई सदस्या का खुश रहना बहुत जरूरी है। किसी को भी सबसे ज्यादा सुकून उसके अपने कमरे में मिलता है, इसलिए न्यूली वेड कपल का कमरा सेट करते वक्त कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। खासतौर पर वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा कैसा होना चाहिए, इस परएस्ट्रोलॉजर एवं वास्तु एक्सपर्ट कहती हैं, 'न्यूली वेड कपल के कमरे की दिशा, रंग और उसमें रखे सामान का वास्तु के हिसाब से होना बहुत जरूरी है। इससे उनका रिश्ता बेहतर बनता है और परिवार के लिए भी सब कुछ शुभ होता है।'

बेडरूम की दिशा

वास्तु एक साइंस है और 'वे ऑफ आर्किटेक्चर' है। इसमें दिशाओं का विशेष महत्व होता है।' इसलिए वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा साउथ–ईस्ट दिशा में होना चाहिए और घर की सबसे ऊपर वाली मंजिल में होना चाहिए। हालांकि, कई बार वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा सही दिशा में नहीं होता है। ऐसे में वास्तु दोष को दूर करने के लिए कमरे में बेड की सेटिंग इस तरह होनी चाहिए कि दुल्हन का सिर साउथ में और पैर नॉर्थ में हो। इस दौरान ध्यान रखें कि पैर एकदम दरवाजे के सामने नहीं होने चाहिए। अगर इस दिशा में सोने की व्यवस्था नहीं हो पा रही हैं तो ईस्ट की ओर सिर किया जा सकता है। लेकिन जब भी आपको कंसीव करना हो तो अपने सोने की जगह को बदल लें।

बेड कैसा होना चाहिए

सोशल डेकोरेशन को भूल कर आपको लकड़ी का ही बेड अपने लिए चुनना चाहिए। 'मेटल में कोल्ड एनर्जी होती होती है और वुड में वॉर्म एनर्जी होती है। न्यूली वेड कपल्स को वॉर्म एनर्जी की जरूरत होती है।' इसके साथ ही, इस बात का ध्यान रखें कि बेड में अगर बॉक्स भी है तो उसमें कोईभी कबाड़ न रखें और न ही कोई धारदार चीज रखें। यहां तक की बेड पर पड़ा गद्दा भी सिंगल होना चाहिए।

कैसा होना चाहिए कमरे में शीशा

शीशा आपका प्रतिबिंब बनाता है। किसी भी चीज को डबल करना और एनर्जी को फैलाना शीशे की प्रॉपर्टी होती है। इसलिए शीशे का सही दिशा में होना जरूरी है। सोते वक्त शीशे में आप नजर न आएं इसके लिए हमेशा शीशा बेड के बगल में होना चाहिए।

कमरे का डेकोरेशन कैसा होना चाहिए

कमरे के डेकोरेशन में सबसे ज्यादा लोग फोटो फ्रेम्स का इस्तेमाल करते हैं। न्यूली वेड कपल्स को भी अपने कमरे में हमेशा ऐसी तस्वीरें लगानी चाहिए, जो उन्हें खुशी दें। भगवान की तस्वीर कभी न लगाएं, सोलो व्यक्ति की तस्वीर न लगाएं और जंगली जानवरों की तस्वीरें भी न लगाएं। कपल अपनी भी तस्वीर लगा सकते हैं।

कमरे का रंग कैसा होना चाहिए

अपना फेवरेट कलर ही कमरे की दीवारों पर कराएं। हो सके तो कमरे में कहीं न कहीं लाल रंग का इस्तेमाल जरूर करें। क्योंकि यह रंग एनर्जी को बढ़ाता है और कपल के बीच के प्रेम संबंधों को मधुर बनाता है। ज्यादा लाल रंग न इस्तेमाल करें क्योंकि इससे कंसीव करने में दिक्कत आती है और लड़ाई झगड़े भी होते हैं।

घर पर बनाएं मूंग दाल डोसा

साउथ इंडियन खाने का अपना अलग ही मजा है। स्वादिष्ट होने के साथ-साथ दक्षिण भारतीय व्यंजन हेल्दी भी हो सकते हैं, क्योंकि उनमें तेल की मात्रा कम से कम होती है। इडली, डोसा, सांभर, रसम, वड़ा, अप्पम, लेमन राइस जैसे अन्य कई व्यंजनों को देखकर आपके मुंह भी पानी आता होगा? दूसरी सबसे अच्छी बात यह है कि आप इनका आनंद सुबह नाश्ते, ब्रंच, लंच, स्नैक्स और डिनर में भी ले सकते हैं।

आज हर शहर में आप साउथ इंडियन फूड का आनंद ले सकते हैं। इतना ही नहीं, घर पर भी इन्हें बनाया जा सकता है। अब बात करें डोसा की, तो आज हम आपके लिए डोसा की रेसिपी लेकर आए हैं, लेकिन यह आम डोसा नहीं, बल्कि मूंग दाल से बनने वाला डोसा है। इसे आप केवल दो मिनट में बना भी सकते हैं।

बनाने का तरीका

- मूंग दाल का डोसा बनाने के लिए पहले जरूरी सामग्री को इकट्ठा कर लें। मूंग दाल को कुछ देर पहले भीगोकर रखें। उसके बाद एक मिक्सी में भीगी हुई मूंग दाल, थोड़ा–सा पानी, अदरक और हरी मिर्च डालकर ग्राइंड कर लें।
- जब बैटर तैयार हो जाए तो उसे एक भगोने में निकाल कर रख लें। अब तैयार बैटर में स्वादानुसार नमक और दो चम्मच चावल का आटा डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- अब एक तवा गर्म करें और उस पर यह बैटर फैला लें। थोड़ी देर सेकने के बाद बैटर के ऊपर हल्का–सा तेल डालें और फिर आलू का मसाला डालने की बजाय उसमें बारीक कटा प्याज, टमाटर और धनिया डालें।
- इसे कुछ सेकंड सेकने के बाद डोसा फोल्ड करें और एक प्लेट पर निकाल लें। स्वादिष्ट टमाटर और नारियल की चटनी के साथ मूंग दाल के इस डोसे को सर्व करें।
- घर पर मूंग दाल का डोसा बनाना बेहद आसान है। इसे बनाने में आपको केवल दो मिनट लगेंगे। आइए जानें इसकी आसान रेसिपी

सामग्री

1 कप मूंग दाल
1 इंच अदरक
2 चम्मच चावल का आटा,
1 हरी मिर्च
आधा कप पानी,
स्वादानुसार नमक
1 बारीक कटा प्याज
1 बारीक कटा टमाटर
1 बड़ा चम्मच बारीक कटा हुआ धनिया

विधि

- भीगी हुई मूंग दाल को एक मिक्सी में डालें और उसमें अदरक और हरी मिर्च डालकर ग्राइंड करें।
- बैटर को एक भगोने में निकालें और उसमें चावल का आटा और नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें।
- अब एक तवा गर्म करें और उसमें तैयार बैटर फैलाएं। ऊपर से हल्का–सा तेल डालें और कुछ देर सेक लें।
- अब इसमें बारीक कटा हुआ प्याज, टमाटर और धनिया डालें। डोसा को फोल्ड कर एक प्लेट में निकालें और चटनी के साथ सर्व करें।

सिर्फ सेहत ही नहीं, घर चमकाने के काम भी आता है जैतून का तेल

जैतून तेल का इस्तेमाल सेहत और ब्यूटी से जुड़ी परेशानियों को दूर करने के लिए किया जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि यह घर की सफाई में भी मददगार है। जी हां, जैतून के तेल से आप घर की साफ–सफाई भी कर सकते हैं। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि किस तरह जैतून के तेल का इस्तेमाल आपके घर की छोटी–छोटी प्रॉब्लम को दूर करता है।

लकड़ी के फर्श को करें साफ

1 चम्मच ऑलिव ऑयल और 1/2 चम्मच व्हाइट विनेगर को मिक्स करके उसे अपनी घर की फर्श को साफ करें। यह आपके फर्श को नए जैसा चमका देगा और इससे फर्श के दाग–धब्बे भी आसानी से साफ हो जाएंगे।

पुराने फर्नीचर को रखें नए जैसा

लकड़ी के फर्नीचर की अलग सही तरीके से देखभाल न की जाए तो वह खराब होने लगते हैं। ऐसे में आप कपड़े पर हल्का–सा जैतून का तेल लगाकर लकड़ी के फर्नीचर को साफ करें। उसके बाद सूखे कपड़े के फर्नीचर साफ करें। इससे आपका पुरानी वुडन फर्नीचर भी नया लगेगा।

बर्तनों को चमकाएं

रसोई में खाना बनाते हुए कई बार बर्तन जल जाते हैं। ऐसे में सबसे पहले उसपर व्हाइट विनेगर और बेकिंग सोडा डालकर बर्तन को साफ करें। फिर उसपर जैतून का तेल और नमक डालकर स्क्रब की मदद से साफ करें। इससे आपका बर्तन बिल्कुल साफ हो जाएगा।

जूट फर्नीचर की सफाई

जूट के फर्नीचर में गंदगी आसानी से नहीं निकलती और उसकी शाइन खोने लगती है। वैक्यून क्लीनर से सफाई करने के बावजूद भी वह अच्छी तरह साफ नहीं होते। ऐसे में आप कपड़े पर जैतून का तेल लगाकर फर्नीचर की सफाई करें। इससे उसकी धूल–मिट्टी भी आसानी से निकल जाएगा और नया भी लगने लगेगा।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।
किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267